RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 129 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 21 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

उद्धव गुट की याचिका मंजूर, नाम और चुनाव चिन्ह शिंदे गुट को दिये जाने का मामना, कल होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उद्धव गुट की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न शिंदे गुट को दिए जाने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि वह कल यानी बुधवार दोपहर 3.30 बजे इस मामले पर सुनवाई करेगा।

इससे पहले इस विवाद को लेकर उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग ने उनके साथ न्याय नहीं किया। उन्होंने कहा था कि उनसे उनका सबकुछ चुरा लिया गया। पार्टी का नाम, पार्टी का चुनाव चिन्ह सब चुरा लिया गया। ठाकरे ने कहा था कि वह लोग ठाकरे नाम नहीं चुरा सकते। हम चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और मामले की सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ही हमारी आखिरी उम्मीद है।

शिंदे गुट पहले ही पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे के हाथ से शिवसेना की कमान, उसका नाम और चुनाव चिह्न छीनने के बाद एकनाथ शिंदे भी शांत नहीं बैठे हैं। शिवसेना को लेकर चुनाव आयोग के फैसले को कायम रखने के लिए वह हर एक चाल चल रहे हैं, जो उनके लिए जरूरी है। एक दिन पहले ही शिंदे गुट की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दायर की गई थी।

इस याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने के लिए उद्धव गुट सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गुहार लगा सकता है। ऐसे में इस मामले में कोई भी फैसला सुनाने से पहले शीर्ष अदालत महाराष्ट्र सरकार की दलील को भी सुने।

देवेन्द्र यादव के घर ईडी की देर रात डेढ़ बजे तक चली जांच

विधायक के चेहरे पर दिखी जीत की खुशी बाहर निकलते ही समर्थकों ने कंधे पर बिठाया

सीना ठोक कर कहा, सच कभी हार नहीं सकता

ईडी के अफ्सरों के जाने के बाद जैसे ही विधायक देवेन्द्र यादव बाहर निकले समर्थकों ने उन्हें कंधे पर बिठा लिया। इस दौरान विधायक के चेहरे पर जीत की खुशी दिख रही थी। बाहर निकलने के बाद उन्होंने कहा कि सच कभी हार नहीं सकता। उन्होंने कहा कहा केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार केन्द्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर कांग्रेस नेताओं को डराने का प्रयास कर रही है। लेकिन यह नहीं जानते कि कांग्रेस पार्टी ने कभी डरना नहीं सीखा। विधायक देवेन्द्र यादव ने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से डर गई है। वहीं प्रदेश में होने जा रहे कांग्रेस के महाअधिवेशन के पहले ईडी को भेजकर महौल खराब करने का प्रयास कर रही है।

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सोमवार सुबह 6 बजे से भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव के बंगले पर रेड करने वाली ईडी की टीम देर रात डेढ़ बजे विधायक निवास से बाहर निकली। ईडी के अफ्सरों के चेहरों पर मायूसी दिखी वहीं ईडी के निकलते ही विधायक देवेन्द्र यादव के चेहरे पर जीत की चमक नजर आई। बाहर निकलते ही सैकड़ों की तादात में विधायक निवास के बाहर जमे समर्थकों ने उन्हें कंधे पर बिठा लिया। देवेन्द्र यादव जिंदाबाद के नारों से सेक्टर-5 का पूरा एरिया गूंज उठा। इस मौके पर विधायक देवेन्द्र यादव ईडी व केन्द्र की मोदी सरकार पर जमकर बरसे।

बता दें सोमवार को छत्तीसगढ़ के कांग्रेस पार्टी के दो विधायक व अन्य नेताओं के घर पर ईडी ने रेड की थी। इस दौरान भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव के सेक्टर-5 स्थित निवास व हाउसिंग बोर्ड स्थित उनके भाई धर्मेन्द्र यादव के निवास पर ईडी ने रेड की थी। सुबह से पहुंची टीम देर रात तक दोनों जगह पर डटी रही। रात तकरीबन 11 बजे ईडी की टीम ने धर्मेन्द्र यादव के निवास पर कार्रवाई पूरी की। इसके बाद वहां की टीम भी विधायक देवेन्द्र यादव के बंगले पर पहुंच गई। यहां से दोनों टीमें रात डेढ़ बजे बाहर निकली। सुरक्षा के लिए ईडी ने एक बस भरकर फोर्स को बुलवाया था हालांकि विधायक के समर्थकों ने केवल नारेबाजी की। इसके बाद यहां से ईडी की टीम वापस चली गई। दिनभर ईडी ने कई दस्तावेज जांचे। बाहर निकलते समय ईडी क अफ्सरों के चेहरों पर मायूसी साफ देखी जा सकती थी।

आरपी सिंह को साथ ले गई ईडी

दिन भर चली पूछताछ और तलाशी अभियान के बाद श्रष्ठ के अधिकारी कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह को साथ लेकर गए। आरपी सिंह को इस तरह ले जाने पर विधायक विकास उपाध्याय भड़क गए। उन्होंने भीड़ के साथ अधिकारियों को घेर लिया। अधिकारियों के काफी समझाने-बुझाने के बाद विकास आरपी सिंह को ले जाने देने को तैयार हुए।

समर्थकों ने किया हनुमान चालिसा का पाठ

इससे पहले ईडी की कार्रवाई के दौरान सोमवार को दिनभर समर्थकों का जमावड़ा लगा रहा। सैकड़ों की संख्या में समर्थकों ने विधायक निवास के सामने डेरा डाल दिया। दिनभर ईडी की कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी की और उन्हें सद्बुद्धि देने के लिए हवन भी किया। यहीं नहीं समर्थकों ने यह तय कर लिया था कि जब तक ईडी की टीम बाहर नहीं निकलती वे भी यहीं डटे रहेंगे। रात को गद्दे व तकिए भी टेंट के नीचे लगा दिए गए। समर्थकों ने आग जलाकर यहां भजन गाए और हनुमान चालसा का पाठ किया। देर रात जब ईडी की टीम विधायक निवास से बाहर निकली तो यहां जश्न का माहौल था। सभी समर्थकों ने विधायक देवेन्द्र यादव को कंदे पर उठाकर जिंदाबाद के नारे लगाए।

पीएम मोदी का पुतला भी फूंका

विधायक देवेन्द्र यादव के निवास के बाहर ईडी की कार्रवाई के विरोध में एनएसयूआई के कार्यकर्ता भी सैकड़ों की तादात में पहुंच गए। एनएसयुआई के कार्यकर्ता व विधायक समर्थकों ने पीएम मोदी का पुतला भी फूंका। विरोध करते हुए एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने दीवार फांदकर विधायक निवास के भीतर घुसने का भी प्रयास किया।

इस दौरान सीआरपीएफ के जवानों से एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी हुई। यही नहीं प्रदेश भर में हुई कार्रवाई के विरोध में जगह जगह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला फूंक विरोध प्रदर्शन किया गया।

छत्तीसगढ़ लगातार रच रहा है नये कीर्तिमान सरकार का स्वास्थ्य व पोषण पर विशेष फोकस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बीते चार साल के भीतर स्वास्थ्य और पोषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। हाल में ही राज्य सरकार द्वारा स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन में मिलेट्स के व्यंजन को शामिल करने को केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है। बच्चों में कुपोषण दूर करने और किशोरी बालिकाओं व महिलाओं को एनिमिया से मुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान को अच्छी सफलता मिल रही है। इस अभियान के बाद बच्चों के कुपोषण में 48 प्रतिशत की गिरावट आई है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में लगातार ध्यान दिया जा रहा है। सरकार की नवाचारी योजनाओं मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक, दाई-दीदी क्लिनिक, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, हमर लैब, मलेरिया मुक्त बस्तर और मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ योजना का संचालन किया जा रहा है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है। छत्तीसगढ़ में लोगों को डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना में 5 लाख रूपए तक की इलाज की सुविधा दी जा रही है। वहीं मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना में 20 लाख रूपए तक की इलाज की सुविधा मिल रही है।

नीति आयोग की ओर से आकांक्षी जिलों के रिपोर्ट में दिसम्बर 2022 के लिए जारी की गयी चैम्पियन ऑफचेंज डेल्टा रैंकिंग में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले का परफॉर्मेंस बेहतर रहा है। देश के 112 आकांक्षी जिलों में से ओवरऑल परफॉर्मेंस श्रेणी में शीर्ष पांच जिलों में छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिलों में शामिल नारायणपुर जिला चौथे स्थान पर है। वहीं स्वास्थ्य और पोषण श्रेणी में नारायणपुर जिले का स्थान तीसरा है।

लाखों कुपोषित बच्चे और लाखों महिलाएं एनीमिया से हुई मुक्त

सुपोषण योजना शुरू होने के समय वजन त्यौहार के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में लगभग 4 लाख 33 हजार बच्चे कुपोषित थे। राज्य में अब तक 2 लाख 11 हजार से अधिक बच्चे कुपोषण मुक्त हो गए हैं। इस प्रकार कुपोषित बच्चों की संख्या में 48 प्रतिशत की कमी आई है। पिछले चार वर्षों के दौरान राज्य में कुपोषण की दर में 5.61 प्रतिशत की कमी आई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार राज्य में कुपोषण का प्रतिशत 31.3 है, जो कुपोषण के राष्ट्रीय औसत 32.1 प्रतिशत से कम है। अब तक 1 लाख महिलाएं एनीमिया से मुक्त हो चुकी हैं।

हद हो गई बेशर्म तमाशबीनी की

श्रीकंचनपथ

फर्जी खबरों पर रार मचाने वाले तमाशबीन तो बहुत देखे थे पर ऐसी बेहिस, बेशर्म जनता पहले कभी नहीं देखी। उनकी आंखों के सामने एक आदमी हाथ में चापड़ लिये एक किशोरी को काटता रहा और वो वीडियो बनाते रहे। नर-पिशाच इतने में ही नहीं माना, वह लहूलुहान किशोरी को बालों से पकड़कर घसीटता रहा और लोग तमाशा देखते रहे। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि यह घटना थाने से लगभग एक किलोमीटर दूर हुई। लोग नाराज हैं कि पुलिस नहीं पहुंची। लोगों को इस बात का भी मलाल है कि बाल आयोग ने मामले की अब तक सुध नहीं ली है। इन लोगों से पूछा जा सकता है कि वे खुद वहां क्या कर रहे थे? वो ठल्ले खड़े एक किशोरी पर जानलेवा हमला होते देख रहे थे। उनमें इतनी भी मर्दानगी नहीं बची थी कि बीच बचाव कर इस पैशाचिक कृत्य को रोकते। लोग तो जानवरों और मवेशियों पर होते अत्याचार के खिलाफ भी खड़े हो जाते हैं फिर इस किशोरी के बचाव में कोई क्यों नहीं आया? इसका जवाब मौजूदा सामाजिक मान्यताओं में छिपा हुआ है। आरोपी ओमकार तिवारी मसाला दुकान का मालिक है। किशोरी उसकी दुकान पर काम करती थी। दुकानदार की प्रतिष्ठा उसके यहां काम करने वाले नौकरों से तो ज्यादा होनी ही चाहिए। इस आक्रोश की असली वजह क्या थी, इसे जानना यहां जरूरी नहीं है। किशोरी का अपराध चाहे जो भी रहा हो, किसी पर इस तरह का हमला करने की इजाजत देश का कानून नहीं देता। कबीलाई संस्कृति में भी पहले पंचायत फैसला सुनाती है तब जाकर किसी को दंड दिया जाता है। दरअसल, जिसे हम मोहल्ला या समाज कहते हैं, वह तमाशबीनों की भीड़ मात्र है। वह आपको ज्ञान तो दे सकती है पर आपकी मदद के लिए कभी एक तिनका भी नहीं उठाएगी। कोई फर्क नहीं पड़ता कि पीड़ित किसी खुली सड़क पर है या किसी एकांत स्थल में। वह जहां भी है, अकेली ही है। एकांत में प्रताड़ित होने का तो फिर भी एक फायदा है कि वहां बेइज्जती का तमाशा नहीं बनता। कोई वीडियो वायरल नहीं होता। ये जो भीड़ वहां खड़ी थी, उसने वीडियो भले ही बना लिया हो, पर अदालत में उसकी गवाही कराने में पुलिस के पसीने छूट जाएंगे। लोग कानून व्यवस्था पर सवाल तो उठा सकते हैं पर उसे सुधारने में योगदान नहीं करेंगे। वैसे भी, महात्मा गांधी की अहिंसा का मजाक उड़ाने वालों को तो इस घटना से आनंदित होना चाहिए। उनके लिए तो हिंसा जायज है। वो नहीं मानते कि हिंसा धर्म-अधर्म नहीं देखती। वह नहीं समझते कि जिसके हाथों में ताकत होगी, वही हिंसक हो जाएगा। हमें समझना होगा कि हिंसा किसी मजहब, किसी खास किस्म के भोजन या किसी जीवन शैली से नहीं आती। वह सोच से पैदा होती है। श्रेष्ठता के घमंड से इसकी उत्पत्ति होती है फिर चाहे हिंसा घरेलू हो या कौमी, क्या फर्क पड़ता है?

संपादकीय

मामूली बात पर हिंसा

बिहार की राजधानी पटना सिटी इलाके से सटे जेठुली में हुई हिंसा दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। एक मामूली सी बात इतनी बढ़ गई कि एक बड़े इलाके में तनाव की स्थिति है और आक्रोशित भीड़ को काबू में करने में परेशानी आ रही है। रविवार दोपहर से शुरू हुआ विवाद सोमवार को भी शांत नहीं हुआ है। सोमवार की सुबह गुस्साए लोगों ने हत्या के आरोपी उमेश राय और उसके पड़ोसी के घर में आग लगा दी। पार्किंग में गाड़ी हटाने और खड़ी करने को लेकर शुरू हुआ विवाद ऐसे बढ़ा कि एक पक्ष के लोगों ने करीब 43 राउंड फायरिंग कर दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गोलीबारी के बाद दूसरा पक्ष बुरी तरह से भड़क गया और आरोपी के घर व सामुदायिक भवन में आग लगा दी। नतीजा यह हुआ कि पास ही स्थित नेशनल हाइवे पर भी घंटों उपद्रव होता रहा। पुलिस क्रोधित भीड़ को समझाती रही, खदेड़ती रही। हालात को नियंत्रित करने के लिए फायरिंग करने को भी विवश हुई। क्या ऐसी हिंसा से बचा नहीं जा सकता था? क्या समझ-बूझ के साथ मामला शांत नहीं हो सकता था? समय रहते पुलिस और सामाजिक संगठनों को भी सक्रिय हो जाना चाहिए। ऐसा लगता है कि पूर्व पंचायत प्रतिनिधि और 'मुखिया पति' के बीच पहले से अदावत चल रही थी। दरअसल, राजनीति की कुरीतियां अब गली-गली तक पहुंच गई हैं, अपने-अपने इलाके में राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने के लिए छुटभैये नेता किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। होड़ समाज सेवा की होनी चाहिए, लेकिन शक्ति प्रदर्शन पर पूरा जोर है। सत्ता या पद यदि व्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाए, तो कोई समस्या ही न हो, पर सत्ता या पद पाते ही बहुत से लोगों का मिजाज बिगड़ जा रहा है। चुनाव जीतने वाले को ऐसा लगता है कि उसे कोई भी किसी बात के लिए 'नहीं' न कहे। ध्यान रहे, मुबारकपुर, मांझी, बिहार हिंसा में भी 'मुखिया पति' ने ही मॉब लिंचिंग का नेतृत्व किया था, अब वह सपरिवार फरार है। मौखिक गरमा-गरमी गांव में आम बात है, पर खूनखराबा या गोलीबारी अक्षम्य है। जिन लोगों ने गोलीबारी का सहारा लिया है, उनके खिलाफपुलिस अगर कड़ी कार्रवाई कर रही है, तो स्वागत है। समाज में ऐसे लोगों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए, जो हिंसा के पक्षधर हैं। हिंसा का जवाब हिंसा तो कतई नहीं है, इससे समाज की ही थू-थू होती है। बहुत मुश्किल से बिहार जातिगत हिंसा की गलियों से निकला है, उसे फिर उस दिशा में लौटने नहीं देना चाहिए। विगत दशकों में अनेक जातियों का उत्थान हुआ है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि ताकतवर हुई जातियों के किन्हीं लोगों को हिंसा का मौका मिल जाए। पुलिस अपना काम करे, लेकिन सामाजिक संगठनों और आम लोगों को भी ऐसे हालात पर विचार करना चाहिए। किसी के प्रति रोष या क्रोध सामान्य बात है, लेकिन सबसे बढ़कर है सद्भाव और सद्भाव से ही समाज में अनुशासन पैदा होता है। जो लोग अनुशासित नहीं हैं, इसकी प्रत्यक्ष या परोक्ष कीमत उनके परिजनों और पड़ोसियों को भी देर-सबेर उठानी पड़ती है, ऐसा हम अक्सर देख रहे हैं। लोगों के मन में बदले की भावना और कानून अपने हाथ में लेने की आदत बुनियादी रूप से गलत है। संविधान ने शक्तिशाली होने के तमाम वैध प्रबंध किए हैं, लेकिन जिनको गलत ढंग से शक्तिशाली होना है, उन्हें कतई माफ न किया जाए, इसी में सर्वजन हित है।

> "चुनाव जीतने वाले को ऐसा लगता है कि उसे कोई भी किसी बात के लिए 'नहीं' न कहे। ध्यान रहे, मुबारकपुर, मांझी, बिहार हिंसा में भी 'मुखिया पति' ने ही मॉब लिंचिंग का नेतृत्व किया था, अब वह सपरिवार फरार है। मौखिक गरमा-गरमी गांव में आम बात है, पर खूनखराबा या गोलीबारी अक्षम्य है।

विज्ञान सम्मत अध्यात्म

एक बार मुझसे पूछा गया कि आधुनिक शहरी जीवन में हम जैसे काफी सारे लोग बहुत जल्दी क्रोधित हो जाते हैं, हम अत्यधिक तनावपूर्ण जीवन जीते हैं, हमारे स्वभाव में चिड़चिड़ापन आ जाता है, तो जब आप क्रोधित होते हैं, तब इसे कैसे नियंत्रित करते हैं? आप एक आध्यात्मिक गुरु हैं?

दरअसल, जब मैं किसी अन्य की छोटी-छोटी गलतियों पर गुस्सा या चिढ़ता हूं, तो बस जता देता हूं और फिर बात खत्म कर देता हूं, लेकिन जब कभी गुस्सा ज्यादा गंभीर रूप लेता है, तब मैं क्रोध से खुद को अलग करने की कोशिश करता हूं, फिर अपने गुस्से की भावना में झांकता हूं, इससे क्रोध की ताकत कम हो जाती है। यह मेरा अनुभूत सत्य है। और फिर मैं अपने साथियों के साथ इसे साझा करता हूं, ताकि मेरे मस्तिष्क में अधिक शांति आ सके। आपके पास क्रोध के प्रत्येक मामले के लिए कोई खास अभ्यास नहीं हो सकता है, लेकिन आपको स्वस्थ तरीके से एक बुनियादी मानसिक दृष्टिकोण बनाना चाहिए। ठीक वैसे ही, जैसे यदि आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत है, तो कुछ वायरस या रोगाणु आपको ज्यादा परेशान नहीं कर सकते। अपनी मानसिक वृत्ति को इसी तरह से शांत रखना होता है। फिर अगर कुछ विक्षोभ आ जाएं, कुछ नकारात्मक भाव हावी होने की कोशिश करें, तो ये बहुत कम समय के लिए रहते हैं, सारे भाव ऊपर-ऊपर रहते हैं, ये गहराई में ज्यादा परेशान नहीं करते। मेरा मानना है कि यदि आप वास्तव में एक धार्मिक व्यक्ति, आध्यात्मिक गुरु हैं, विशेष रूप से बौद्ध हैं, तो आपको यथार्थवादी होना होगा। अपने अंदर एक यथार्थवादी दृष्टिकोण, एक यथार्थवादी जागरूकता विकसित करने के लिए आपको वास्तविकता को जानना चाहिए। इस लिहाज से सोचने का वैज्ञानिक तरीका, वास्तविकता को परखने के इसके तरीके बहुत महत्वपूर्ण और उपयोगी हैं। मेरे साथी जानते होंगे कि बौद्ध धर्म, विशेषकर नालंदा परंपरा में सोचने का तरीका बहुत वैज्ञानिक है। बुद्ध ने स्वयं अपने एक उद्धरण में यह बहुत स्पष्ट तौर से कहा है कि उनके अनुयायियों को उनकी शिक्षाओं को आस्था के आधार पर नहीं, बल्कि गहन जांच और प्रयोग के अनुभव पर स्वीकार करना चाहिए। सोचने का यही वैज्ञानिक तरीका है। जैसे, नागार्जुन नालंदा के महान आध्यात्मिक गुरुओं में से एक हैं। एक बौद्ध की दृष्टि से वह पथ-प्रदर्शक हैं, लेकिन सामान्य दृष्टि से नालंदा के अत्यंत प्रतिभाशाली प्रोफेसर। उनके पास यह लिखित रूप में है कि बौद्ध शब्द पर नहीं, बल्कि उनकी जांच और तर्क शक्ति पर विश्वास करो, इसलिए मुझे लगता है कि सोचने का मूल तरीका यही है, यही नालंदा परंपरा है। मैं सोच की इसी अवधारणा का अनुसरण करता हूं।

दलाई लामा

अपहृत महिलाएं लौट रही हैं

कल नई दिल्ली की एक महिला सभा में भाषण देते हुए श्रीमती रामेश्वरी नेहरू ने यह प्रकट किया कि एक हजार से ऊपर अपहृत महिलाएं एक-दो दिन में ही पाकिस्तान से दिल्ली पहुंच रही हैं। यह सभा दिल्ली में ''अपहृत स्त्रियां और बच्चे वापस लौटाओ'' सप्ताह के सिलसिले में की गई थी। श्रीमती रामेश्वरी नेहरू ने दिल्ली की छात्राओं से अपील की कि वे रेलवे स्टेशन पर इन स्त्रियों का शानदार स्वागत करने की व्यवस्था करें। उनके प्रति सम्मान प्रकट करना और बराबरी का बर्ताव करना हमारा कर्तव्य है। वे हमारी ही माताएं और बहनें हैं। चूंकि हम उनकी रक्षा नहीं कर सके, इसीलिए उनको ये कष्ट भोगने पड़े हैं। आपने कहा कि संसार के इतिहास में कहीं भी महिलाओं पर ऐसे अमानुषिक अत्याचार नहीं हुए जितने भारत के विभाजन पर पंजाब में हुए हैं। दोनों जगह महिलाएं इन अत्याचारों की शिकार हुई हैं। उन्हें पशुओं की तरह उठा ले गए और मनमाने जुल्म किये गये। कुछ तो मार भी दी गईं। कुछ बेची जा रही हैं और कुछ अभी तक गुण्डों के कब्जे में हैं। जब तक हम इनको वापिस नहीं लौटा लेंगे तब तक हम आजादी मिली नहीं समझते हैं।

> "क्या हम पुलिस सुधार की हालिया बड़ी घोषणा में ऐसे किन्हीं परिवर्तनों के सूत्र तलाश सकते हैं, जो भारतीय पुलिस को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के अनुकूल बना सकें?

अब शायद लोकतांत्रिक हो जाए पुलिस

विभूति नारायण राय

उत्तर प्रदेश में कानपुर देहात के मडौली गांव की प्रमिला दीक्षित के 13 फरवरी को जल मरने की खबर पढ़कर क्या आपको वहां से हजारों मील दूर 17 दिसंबर, 2010 को ट्यूनीशिया के किसी बाजार में आत्मदाह करने वाले स्ट्रीट वेंडर मोहम्मद बोआजिजि की याद आई? प्रमिला दीक्षित की मृत्यु दुर्घटना, आत्महत्या या हत्या कुछ भी हो सकती है, ज्यादा आशंका तो दुर्घटना की ही लगती है, पर एक बात दोनों में समान है और वह है प्रशासन की संवेदनहीनता। मोहम्मद बोआजिजि की आजीविका के एकमात्र साधन उसके खोखे को प्रशासन ने बुलडोजर से गिरवा दिया था और विरोध स्वरूप उसने आग लगाकर आत्महत्या कर ली । इस अकेली घटना ने 'अरब स्प्रिंग' नामक उस आंदोलन को जन्म दिया था, जिसके चलते तमाम अरब देश सुलग उठे और कई मुल्कों में सरकारें बदल गईं।

प्रमिला और उनकी बेटी के जल मरने की घटना से मोहम्मद बोआजिजि की याद मुझे इसलिए भी आई कि पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा और दिल्ली पुलिस के दो कार्यक्रमों में भाग लेते हुए व्यापक पुलिस सुधारों की बात की है। पिछली बार की घोषणाओं से फर्क यह है कि इस बार तीन प्रमुख कानूनों- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (इंडियन एविडेंस ऐक्ट) में भी बड़े बदलाव की बात की गई है । मुख्य रूप से इन्हीं तीन कानूनों के जरिये देश में पुलिस और आपराधिक न्याय प्रणाली का तंत्र काम करता है। इसके पहले जब कभी पुलिस सुधारों का जिक्र होता था, तो मुख्य रूप से पुलिस को बेहतर संसाधन प्रदान करने की बातें होती थीं। अगर कुछ और सोचते, तो हम उनकी सेवा-शर्तों में कुछ सुधार की गुंजाइश पर बहस करते। प्रकाश सिंह केस और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उसमें दिया गया फैसला पुलिस सुधारों को लेकर समाज, सरकार और न्यायालयों की एकांगी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस सोच में पुलिस व जनता के रिश्तों में किसी बुनियादी परिवर्तन के लिए जरूरी इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है।

गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुनियादी कानूनों में सुधार की घोषणा का स्वागत करते समय हमें उन जरूरतों और परिस्थितियों को देखना होगा, जिनके तहत ये कानून बने थे। साल 1857 के जन उभार को दबाने और ईस्ट इंडिया कंपनी से शासन अपने हाथों में लेने के बाद ब्रिटिश सरकार को स्वाभाविक रूप से कानून-कायदों का एक ढांचा खड़ा करने की जरूरत महसूस हुई, जिसमें जनता को न्याय मिलने का आभास तो होता ही रहे, साथ में किसी असंतोष को कुचलने के लिए सरकार के पास पर्याप्त औजार भी उपलब्ध हो सकें। इसीलिए 1860 के दशक में उपरोक्त तीनों कानून तो बने ही, एक अन्य महत्वपूर्ण कानून पुलिस ऐक्ट भी ब्रिटिश पार्लियामेंट से पास होकर भारत को मिला। अपने समय की जरूरतों और शासकों के हितों की रक्षा करने में समर्थ इन कानूनों ने डेढ़ सौ से अधिक वर्षों तक अपनी भूमिका बखूबी निभाई। इसमें भी कोई शक नहीं कि भारत जैसे महादेश में इतनी विस्तृत लिखित संहिता पहली बार तैयार की गई थी और यह भी सच है कि एक प्राचीन सभ्यता वाले देश में पहली बार कानून के समक्ष वर्ण, लिंग या सामाजिक स्तरीकरण को नजरंदाज कर सभी नागरिक कानून के समक्ष एक माने गए। एक अपराध के लिए ब्राह्मण या शूद्र को एक ही कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता और उनके लिए दंड भी एक ही होते, पर यह भी सही है कि इन कानूनों में कुछ न कुछ ऐसा अंतर्निहित था, जो पुलिस को जनता की दोस्त बनने से रोकता था।

दुर्भाग्य से आजादी के बाद आए नए शासकों ने भी कोई ऐसे बुनियादी परिवर्तन नहीं किए, जिनसे पुलिस आम जन की मित्र और उनके प्रति जवाबदेह बन सकती। अगर कुछ बदलाव किए भी गए, तो वे ऊपरी रंग-रोगन अधिक थे, उनसे किसी बुनियादी बदलाव की अपेक्षा मृग मरीचिका ही साबित हुई। क्या हम गृह मंत्री की हालिया घोषणा में ऐसे किन्हीं परिवर्तनों के सूत्र तलाश सकते हैं, जो भारतीय पुलिस को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के अनुकूल बना सकें?

पिछले कुछ वर्षों में पुलिस क्रूरता बढ़ी है। राज्यसभा में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए सरकारी पक्ष द्वारा बताया गया कि 1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2022 तक की अवधि में 146 घटनाएं पुलिस अभिरक्षा में मृत्यु की हुई थीं। गुजरात जैसा राज्य, जिसे पारंपरिक रूप से हिंसा विरोधी समझा जाता है, 60 की संख्या के साथ इस शर्मनाक सूची में सबसे ऊपर है। सूची में उन अभागों का नाम तो शरीक ही नहीं है, जिन्हें पकड़कर तथाकथित मुठभेड़ों में मार दिया गया। दुर्भाग्य से, पुलिस की हिंसा को सामाजिक स्वीकृति हासिल है। अगर पुलिस किसी को अपराधी घोषित कर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के पहले उसकी टांगों में गोली मार दे, तो जनता का प्रबुद्ध वर्ग भी इसे सहज स्वाभाविक मान लेता है। सत्ता की कुर्सी दौड़ में शरीक कोई भी राजनीतिक दल पुलिस हिंसा का सिद्धांतत विरोध नहीं करता। कभी किसी चुनाव में सभ्य पुलिस का मुद्दा नहीं बनता।

कानपुर देहात की झोंपड़ी गिराते समय बुलडोजर का प्रयोग हुआ और वही उन असहाय मां-बेटी की तात्कालिक मृत्यु का कारण बना। बुलडोजर शायद सत्ता की हनक का प्रतीक बन गया है। जिस झोपड़ी को हटाने के लिए दो मनुष्य काफी होते, उसे हटाने के लिए एक दैत्याकार मशीन लाई गई, जिसके पास अपना कोई दिमाग नहीं है।

प्रकाश सिंह मामले में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला मुझे कभी बहुत उत्साहजनक नहीं लगा था, क्योंकि इसमें पुलिस के महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों के चयन या उनकी नियुक्ति अवधि को लेकर कुछ दिशा-निर्देश जरूर जारी किए गए, पर किसी ऐसे बुनियादी बदलाव की परिकल्पना नहीं की गई, जिनसे पुलिस का औपनिवेशिक चरित्र बदलकर उसे लोकतांत्रिक बनाया जा सके। यह संभव हो सकता है, अगर गृह मंत्री अमित शाह की मुख्य कानूनों में बदलाव की घोषणा सिर्फ कागजों पर सीमित न रह जाए। ईमानदार परिवर्तन पुलिस को एक बल से जन सेवा संगठन में तब्दील कर सकते हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि होने वाले परिवर्तन मात्र दिखावटी न हों। इसे परखने के लिए हमें अगले कुछ दिनों का इंतजार करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ऐसी कोई वजह नहीं कि भारत करे पाकिस्तान की मदद

संदीपन देब

पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास के सबसे कठिन आर्थिक संकट से जूझ रहा है। कई जरूरी खाद्य पदार्थ देश की एक बड़ी आबादी की पहुंच के बाहर हो गए हैं। इसे खड़ा होने के लिए अरबों डॉलर की सख्त जरूरत है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) अपनी शर्तों पर अड़ा हुआ है। ऐसा लग रहा है कि इस्लामाबाद आईएमएफ की सभी अल्पकालिक शर्तों को मानने को तैयार है, मगर यह कदम बीमारी को कम करने से पहले पाकिस्तानियों का दर्द और बढ़ाएगा। पिछले हफ्ते ही, आईएमएफ के दबाव में वहां पर सामान्य बिक्री कर (जीएसटी) और उत्पाद शुल्क बढ़ाए गए थे। इससे पेट्रोल की कीमत 22 रुपये (पाकिस्तानी मुद्रा) बढ़कर 272 रुपये प्रति लीटर हो गई। केरोसीन तेल और डीजल भी महंगे हो जाएंगे। यहां तक कि घी और खाना पकाने वाले तेल के दाम में भी तेजी आएगी। हालांकि, आटा, चावल, अंडे, दूध, चिकन और सब्जियों जैसी जरूरी चीजों को इस दायरे से बाहर रखा गया है, लेकिन अत्यधिक मुद्रास्फीति दर के कारण 2023 की पहली छमाही में इन खाद्य पदार्थों के दाम में करीब 33 फीसदी वृद्धि की आशंका जताई गई है। डॉन अखबार के मुताबिक, जनवरी के अंतिम हफ्ते से लेकर 13 फरवरी के बीच चिकन और दूध के दाम 20 फीसदी बढ़ गए हैं।

इस बीच, कई भारतीय राजनेताओं और टिप्पणीकारों ने कहा है कि भारत को पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आना चाहिए। इसने मुझे मेरे पहले के एक बॉस की याद दिला दी, जो 'लुटियंस दिल्ली' के 'लाहौर क्लब' से ताल्लुक रखते थे। लाहौर क्लब का स्पष्ट मानना था कि पाकिस्तान भारत के साथ शांति चाहता है। मेरे बॉस 1990 के दशक के मध्य में 14-15 अगस्त की मध्य रात्रि को अपनी जैसी सोच रखने वाले करीब दर्जन भर लोगों के साथ वाघा सीमा पर गए थे और इस उम्मीद में हाथ में जलती हुई मोमबत्ती लेकर वहां खड़े रहे कि इससे सौहार्द की रोशनी फैलेगी। दुर्भाग्य से, पाकिस्तान की ओर से कोई भी मोमबत्ती लेकर या इसके बिना नहीं आया, जबकि उन्होंने लाहौर और रावलपिंडी के अपने दोस्तों को इसमें शामिल होने का न्योता भेजा था। दो-तीन बार इस तरह की मूर्खता करने के बाद आखिरकार उन्होंने हार मान ली। उनके दोस्त और लाहौर क्लब के साथी सदस्य इंद्र कुमार गुजराल ने भारतीय खुफिया सेवाओं को बड़ा नुकसान पहुंचाया, जब बतौर प्रधानमंत्री उन्होंने रॉ द्वारा पाकिस्तान में दशकों से बनाए गए जमीनी नेटवर्क को समेटने का आदेश दिया। उनका मानना था कि भारत के प्रति पाकिस्तान में कोई अदावत नहीं है। रॉ को इससे पार पाने में कई साल लग गए।

परवेज मुशर्रफइन जैसे चंद लोगों से खेलने में पूरी तरह सक्षम थे। वह एक ऐसे सैन्य तानाशाह थे, जिन्होंने कारगिल में अकारण युद्ध शुरू किया और भारत में आतंकी हमलों में मदद की थी। फिर भी, साल 2001 में भारत-पाकिस्तान आगरा शिखर बैठक के दौरान मुशर्रफ द्वारा आयोजित वरिष्ठ पत्रकारों के लिए नाश्ते पर मेरे बॉस ने जनरल से कहा, 'मैं आपका इतना समर्थन करता हूं कि यहां भारत में लोग मुझे आपका आदमी कहते हैं।' मेरे बॉस अकेले नहीं थे। वरिष्ठ भारतीय पत्रकारों ने तो इमरान खान के प्रधानमंत्री बनने पर उनको 'स्टेट्समैन' तक कहा था, जबकि इमरान न सिर्फ विफल हो रहे थे, बल्कि एक कट्टरपंथी भी थे।

जाहिर है, भारत द्वारा पाकिस्तान को किसी भी प्रकार की मदद देना अनुचित होगा। कोई भी आर्थिक या खाद्य मदद संभवत उन अधिकांश लोगों तक नहीं पहुंच पाए, जिन्हें इसकी दरकार है। पाकिस्तान का भ्रष्ट अभिजात वर्ग इसका बड़ा हिस्सा लूट खाएगा। उसे अपनी आंतरिक समस्याएं खुद सुलझानी चाहिए, जिनको करीब-करीब उसने खुद पैदा किया है। यह आत्म-संघर्ष उसे भारत-विरोधी महत्वाकांक्षाओं से दूर रखेगा। पिछले महीने ही, जब उसकी अर्थव्यवस्था चरमरा रही थी, तब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफके पास 'कश्मीर जैसे ज्वलंत मुद्दों' पर भारत के साथ बातचीत करने का समय था, जबकि खुद उनका देश जल रहा था। स्पष्ट है, पाकिस्तान का कमजोर रहना भारत के हित में है। आईएमएफको यह हद तय करनी चाहिए कि पाकिस्तान सरकार रक्षा पर कितना खर्च कर सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मुनाफे में किसान का हिस्सा सुनिश्चित हो

देविंदर शर्मा

पर्यावरण विज्ञान के जाने-माने अध्ययनविद प्रोफेसर डेविस स्टोन, जो 'कृषि दुविधा : दुनिया का पेट कैसे भरें' नामक लेख के लेखक भी हैं, उन्होंने एक दिन ट्वीट करते हुए कहा, 'मैं कृषि संबंधी उद्योग और किसानी को जुदा मानता हूं। कृषि संबंधी उद्योगों को मिलने वाली संघीय सरकार की मदद अधिकाशंत: किसानों की एवज पर होती है।' मैंने महसूस किया कि नीति-निर्माताओं, नीति विश्लेषकों के अलावा मीडिया की अतार्किक व्याख्या को उजागर करता यह निचोड़ कितना सटीक है क्योंकि हमें यह यकीन दिलाना कि कृषि संबंधी उद्योग को सरकारी मदद का मतलब है किसानी मदद करना, तो यह तथ्यात्मक रूप से गलत है।

अपनी प्रतिक्रिया में मैंने इस तरह स्पष्ट किया 'भारत में भी, ज्यादातर विश्लेषक कृषि व्यवसाय को मिलने वाली मदद का अर्थ किसान को मिली मदद से निकालते हैं। यही वजह है कि जहां कृषि-संबंधी उद्योग तरक्की करते गए वहीं कृषक नीचे फिसलते गए।' कम से कम यह वही है जो मैंने सालों से होते देखा है। एक तरफ खाद, कीटनाशक, ट्रैक्टर और अन्य खेती उपकरण इत्यादि के निर्माता लगातार फल-फूल रहे हैं और उनके शेयरों के दाम बढ़ रहे हैं तो दूसरी ओर किसान को बुरी तरह कृषि-संत्रास झेलने पड़ रहे हैं। ठीक इसी वक्त मीडिया में आए दिन खबरें देखने को मिलती हैं कि सही दाम न मिलने से हताश किसान ने टमाटर, लहसुन, आलू और बैंगन सड़कों पर फेंक दिए या खड़ी फसल को खुद आग लगानी पड़ी।

तमाम नतीजे किसान को ही भुगतने पड़ते हैं। आज तक नहीं देखा कि किसी व्यापारी को (जैविक उत्पाद खरीदने वाले सहित) अंतत: घाटा उठाना पड़ा हो। उदाहरणार्थ, पंजाब में, वर्ष 2000-2015 यानी 15 सालों में 16,600 किसानों ने आत्महत्या की है जबकि हमने शायद ही किसी व्यापारी को (सिवाय निजी कारणों से) खुदकशी करते पाया। दूसरे शब्दों में, कृषि आपूर्ति श्रृंखला इतनी चतुराई से गढ़ी गई है कि कड़ियों के दोनों छोर वाले तो फायदे में रहते हैं लेकिन किसान घाटे में। यही वजह है कि हर साल रिकॉर्ड कृषि उत्पादन होने के बावजूद कमाई में कृषक सबसे निचले पायदान पर रहता है।

अक्सर हैरानी होती है कि मार्च, 2021 में जारी एफएओ नामक संगठन की रिपोर्ट में भारतीय कृषि (वर्ष 2018) के अनुमान में सकल कृषि फसल उत्पादन का मूल्य 289,802,032 मिलियन डॉलर आंका गया, वहीं सकल खाद्य सामग्री उत्पादन 400,722,025 मिलियन डॉलर मूल्य का रहने पर भी किसान आर्थिक बदहाली में है। आखिरकार, अपने 418,541,342 मिलियन डॉलर मूल्य के उत्पादन के साथ भारत दुनियाभर में चीन के बाद दूसरे पायदान पर है। फिर भी भारतीय खेती को भीषण संत्रास का सामना क्यों करना पड़े। इस बाबत 'सिचुएशन एसेस्मेंट सर्वे ऑफ एग्रीकल्चर हाउसहोल्ड-2018 रिपोर्ट' में अनुमान के मुताबिक एक औसत कृषक की कुल पारिवारिक आय 10218 रुपये (124 डॉलर) प्रति माह है। इस कमाई में गैर-कृषि गतिविधियों से प्राप्त आमदनी भी शामिल है। लेकिन बात जब विशुद्ध से प्राप्त कमाई की करें तो यह महज 27 रुपये दैनिक बनती है।

उत्पादन आंकड़ों को देखकर यह साफ है कि आर्थिक विकास की बुनियाद किसान की मेहनत पर टिकी है, और दौलत के असल सूत्रधार भी वे हैं। लेकिन जब हम खेती से प्राप्त आय देखें तो जिस दारूणता और दर्द के साथ कृषक किसी तरह जी रहा है, यह पहेली बनी हुई है। फिर भी, किसान की कमाई बढ़ाने की खातिर सरकारी सहायता के परोक्ष उपाय और कार्यक्रम, जिसमें फसल का गारंटिड मूल्य देना शामिल है, यह लाभ सीधे किसान को पहुंचे, ऐसी नीतियां बनाने के बजाय नियंताओं का ध्यान आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित रहता है, जिसका मतलब है एक बार फिर से खाद्य श्रृंखला के आखिरी छोर वालों का फायदा करना। इस जटिलता को आसानी से समझाने का उपाय 'एग्रीबिज़नेस मैटर्स' नामक वेबसाइट चलाने वाले वेंकी रामचंद्रन नामक एक तकनीक-माहिर ने सुझाया है। इसके अनुसार, जाने-पहचाने 'स्माइली' प्रतीक चिन्ह को देखें तो होठों की मुस्कान अंग्रेजी वर्ण यू का द्योतक है, उसके दोनों अंतिम सिरों पर, एक पर कृषि में प्रयुक्त अवयवों के निर्माता हैं और दूसरे पर कृषि उत्पाद के खरीदार, तो वहीं चंद्राकार वक्र के सबसे निचले बिंदु पर दबा-कुचला किसान है। इसलिए स्माइली वक्र उस अफसोसनाक सवाल का सबसे आसान जवाब है, जिसकी अनदेखी अधिकांश लोग करना चाहते हैं और फिर पूछते हैं 'जब कृषि से जुड़े तमाम व्यवसाय पैसा बना रहे हैं तो फिर किसान की कमाई क्यों नहीं हो रही?'

जैसा कि अक्सर समझाता आया हूं, नई तकनीक से दक्षता बढ़ने और इससे बढ़े कृषि उत्पादन के बावजूद किसान की कृषि से होने वाली आय नीचे जा रही है। जैसा कि कनाडाई लेखक और समालोचक डारिन क्वालमैन ने अपने आकलन में दर्शाया है, किसान को मिलने वाली गेहूं की वास्तविक कीमत (मुद्रा स्फीति ध्यान में रखने के बाद) पिछले 150 सालों से नीचे की ओर जाती गई, गेहूं की कीमत 1867 में 30 डॉलर प्रति बुशेल (27.21 किलो) से घटकर वर्ष 2017 में 5 डॉलर प्रति बुशेल हो गई। जबकि इस अवधि में, गेहूं से बनने वाली डबलरोटी की कीमत बढ़ती गई, केवल पिछले चार दशकों में इनमें कई गुणा इजाफा हुआ है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

33 जिलों के फार्मेसी, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट संस्थानों के 27 हजार विद्यार्थियों को ऑनलाईन उपलब्ध होंगी किताबें

मुख्यमंत्री ने ई-लाईब्रेरी का किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई की ई–लाईब्रेरी का उद्घाटन किया। ई–लाईब्रेरी के माध्यम से सरगुजा से बस्तर तक 33 ज़िलों के फ़र्मेसी, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट संस्थानों में अध्ययनरत 27,000 छात्र–छात्राओं को उनके मोबाइल और लैपटॉप पर ऑनलाईन किताबों कि सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय की पूरी टीम को विद्यार्थियों की सुविधा के लिए की गई इस अभिनव पहल के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर कहा कि कोरोना महामारी के दौर में अध्ययन अध्यापन का कार्य काफी प्रभावित हुआ था। उस दौर में पूरे विश्व के सामने अध्ययन अध्यापन का कार्य कराना एक चुनौती थी। ऐसे समय में ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन तो शुरू हुआ, लेकिन विद्यार्थियों को किताबें उपलब्ध नहीं हो पाती थीं, क्योंकि सारे शैक्षणिक संस्थान तब बंद थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में इन कठिनाइयों की पुनर्रावृत्ति न हो, इस दिशा में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई ने ई–लाईब्रेरी के जरिए एक प्रभावी कदम उठाया है। ई–लाईब्रेरी से आगामी 7 वर्षों तक ये किताबें विद्यार्थियों के मोबाइल और लैपटॉप पर उपलब्ध रहेंगी। आगामी 4 वर्षों में लगभग 60,000 विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ कभी भी–कहीं भी अपने मोबाइल और लैपटॉप पर ले सकेंगे। विश्वविद्यालय का यह प्रयास राज्य के विद्यार्थियों के अध्ययन में सहायक होगा, तथा उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ उठाकर अपने संस्थान तथा प्रदेश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का प्रयास करें।

इस अवसर पर कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी अमरजीत भगत, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सुब्रत साहू, छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई के कुलपति डॉ. एम.के. वर्मा सहित विश्वविद्यालय के सहायक अध्यापक विवेक मिश्रा और आर.जे. ब्रिजेश तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

पाली महोत्सव के समापन अवसर पर प्रसिद्ध कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

डॉ. पूर्णा राउत के भाव भंगिमा युक्त ओड़िसी नृत्य ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय पाली महोत्सव आयोजन किया गया, जिसका समापन 19 फरवरी को हुआ। इस आयोजन में प्रदेश और देश के प्रसिद्ध कलाकारों ने हिस्सा लिया और अपनी शानदार प्रस्तुति दी। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा– यह खुशी की बात है कि केरा झरिया के नए ग्राउंड में पाली महोत्सव का आयोजन हुआ है। इस महोत्सव में उमड़ा लोगों का हुजुम दर्शाता है कि यह महोत्सव दिनों दिन लोकप्रिय हो रहा है।

गढ़बो नवा छत्तीसगढ का संकल्प मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में पूरा हो रहा है। उन्होंने आने वाले वर्षों में इससे भी भव्य आयोजन होने की आशा जताई। डॉ. महंत ने राज्य की कला संस्कृति को उजागर करने और प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। विधानसभा अध्यक्ष ने पाली महोत्सव के भव्य और सफल आयोजन के लिए कलेक्टर संजीव झा सहित जिला प्रशासन की पूरी टीम की तारीफ की और सभी को शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर कोरबा लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत उपस्थित थी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. महंतविधानसभा अध्यक्ष डॉ. महंत

दो दिवसीय पाली महोत्सव में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध गायक संगीतकार और अभिनेता नितिन दुबे और प्रसिद्ध पॉप स्टार हार्डी संधु ने की प्रस्तुति को हजारों दर्शकों से जमकर सराहना मिली।

वहीं सिंगर पलक मुच्छल की गानों को सुनकर आमजनों ने खूब आनंद लिया। छत्तीसगढी सुपरस्टार श्री अनुज शर्मा एवं सुश्री आरू साहू के छत्तीसगढ़ी गाना ने भी लोगों का खूब मनोरंजन किया। साथ ही सहदेव दिरदो ने भी अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

खास खबर

छायाचित्र प्रदर्शनी सह-सूचना शिविर में शासकीय योजनाओं से अवगत हुए ग्रामीण

गरियाबंद। राज्य सरकार के योजनाओं और उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न हाट–बाजार में छायाचित्र प्रदर्शनी सह–सूचना शिविर आयोजित किया गया।जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर से ग्राम कौंदकेरा,ग्राम धुरवागुड़ी,ग्राम कोसमी, ग्राम मरोदा तथा ग्राम धुरवापारा के हाट बाजार में उपस्थित ग्रामीणजन शासन की उपलब्धि एवं योजनाओं से अवगत हुए। शिविर में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना राजीव गांधी किसान न्याय योजना,गोधन न्याय योजना,सुराजी गांव योजना,राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना,स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना,श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडीकल स्टोर्स योजना के तहत सस्ती दवाइयों की उपलब्धता,राजीव युवा मितान क्लब, उपयोगी वृक्षों का रोपण–अमूल्य विरासत का सरंक्षण, बिजली बिल हाफ योजना,छत्तीसगढ़ मॉडल नई उद्योग नीति की सफलता,आर्थिक तरक्की करता छत्तीसगढ़ निर्यात में पौने तीन गुना बढ़ोतरी,छत्तीसगढ़ न्याय की नई परिभाषा– कर मुक्त किसान,सशक्त आदिवासी,लाभान्वित श्रमिक, छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन,वनोपज में राज्य सरकार की उपलब्धियां आदि छायाचित्र के माध्यम से प्रदर्शित की गई। कौंदकेरा के ग्रामीण रूपेश,श्यामकुंवर व घनश्याम,ग्राम घुरवागुड़ी के कृषक शानुराम, गणेश,कामिनी,ग्राम कोसमी के हेमचंद नायक,निरजंन टंडन,महेश मरकाम,टीकम सिन्हा, धुरवापारा देवभोग के घासीराम,केकधर नागेश,धनीसर ने उक्त शिविर को शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं व प्रचार सामाग्रियों की जानकारी को बहुउपयोगी बताया। इस दौरान जनसम्पर्क विभाग के कर्मचारियों द्वारा शासकीय योजनाओं पर आधारित प्रचार सामग्री का वितरण किये।

मुख्यमंत्री ने एसडीजी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट व ऑनलाईन मॉनिटरिंग टूल एसडीजी डैशबोर्ड का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सतत् विकास लक्ष्य के जिला स्तर तक स्थानीयकरण एवं सतत् प्रभावी मॉनिटरिंग की सुनिश्चितता हेतु छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग द्वारा तैयार किये गये ''छत्तीसगढ़ एस.डी.जी. डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट'' व ''एस.डी.जी. डैशबोर्ड'' का विमोचन आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल बैठक में किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश एस.डी.जी. लक्ष्य की समयबद्ध प्राप्ति हेतु प्रतिबद्ध है। ''जनघोषणा पत्र'' के उद्देश्यों में भी एस.डी.जी. लक्ष्य के अनुरूप 'अंत्योदय' का संकल्प सम्मिलित है। एस.डी.जी. के सिद्धांत के अनुरूप ही सरकार अपनी योजनाओं को इस प्रकार क्रियान्वित कर रही है, जिससे विकास के लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंच सके। एस.डी.जी. के क्रियान्वयन के लिये राज्य सरकार के विभागों द्वारा अनवरत प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य योजना आयोग द्वारा तैयार की गई ''छत्तीसगढ़ एस.डी.जी. डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट'' व ऑनलाईन मॉनिटरिंग में सहायता हेतु तैयार किये गये ''एस.डी.जी. डैशबोर्ड'' में प्रत्येक जिले को 'स्कोर' एवं 'रैंकिंग' प्रदान की गई है। जो जिलों को 2030 तक निर्धारित लक्ष्य की प्राप्त करने की दिशा में पथ प्रदर्शक का कार्य करेगा और सभी कलेक्टरों को प्रगति बाधक चिन्हित क्षेत्रों की पहचान कर साक्ष्य आधारित निर्णय लेने में भी मदद करेगा। यह रिपोर्ट व डैशबोर्ड प्रत्येक जिला एवं विभाग को अपनी स्थानीय क्रियान्वयन प्रतिबद्धता की पहचान कर अपने हितधारकों के बहुमुखी विकास सुनिश्चित करने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन करेगी। समस्त जिला कलेक्टर रिपोर्ट व डैशबोर्ड में उल्लेखित इंडिकेटर संबंधित योजनाओं के प्रभावी अनुश्रवण व अनुशीलन तथा डाटा संकलन एवं रिर्पोटिंग व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे तथा 2030 तक निर्धारित लक्ष्य पूर्ति हेतु हर संभव प्रयास सुनिश्चित करेंगे।

राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह ने जानकारी दी कि संयुक्त राष्ट्र संघ (ह्) द्वारा सतत् विकास को सुनिश्चित करने 17 स्ष्ठत्र लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। उद्देश्यों की पूर्ति हेतु देश तथा राज्य प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राज्य योजना आयोग द्वारा तैयार किये गये ''छत्तीसगढ़ एस.डी.जी. डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट'' व ऑनलाईन मानिटरिंग में सहायता हेतु तैयार किये गये ''एस.डी.जी. डैशबोर्ड'' के आधार पर जिला कलेक्टर व विभाग विभिन्न सतत् विकास लक्ष्यों की प्रगति का मूल्यांकन, अनुश्रवण एवं अनुशीलन कर सकेंगे।

राज्य शासन द्वारा जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में ''जिला स्तरीय एसडीजी क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति'' गठित की गई है। इस समिति में संयोजक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं सह–संयोजक, जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी हैं। तैयार की गई रिपोर्ट व डैशबोर्ड के आधार पर जिला कलेक्टर व विभाग विभिन्न सतत् विकास लक्ष्यों की प्रगति का मूल्यांकन, अनुश्रवण एवं अनुशीलन कर सकेंगे। रिपोर्ट में सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय एवं अन्य पहलुओं संबंधी कुल 82 इंडिकेटर में प्राप्त प्रगति के आधार पर जिलों को 'स्कोर' व 'रैंकिंग' प्रदाय की गई है। प्रत्येक एस.डी.जी. इंडिकेटर हेतु उत्तरदायी विभागों व जिला स्तरीय अधिकारियों को मैप किया गया है, साथ ही प्रत्येक लक्ष्य से संबंधित योजनाओं को भी चिन्हांकित किया गया है। जिलों को उनके द्वारा अर्जित किये ''स्कोर'' के आधार पर– चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है– एचीवर (100 अंक), फ्रंट रनर (65–99 अंक), परफोर्मर (50–64 अंक), एस्पायरेंट (50 से कम अंक)। रिपोर्ट अनुसार वर्ष 2021 की स्थिति में 8 जिले – फ्रंट रनर (धमतरी, राजनांदगांव, बालोद, दुर्ग, बेमेतरा, गरियाबंद, महासमुंद व रायपुर) तथा शेष जिले– परफोर्मर श्रेणी में हैं। जिला धमतरी ने सर्वाधिक 72 अंक प्राप्त कर प्रथम रैंक हासिल किया है।

योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी अमरजीत भगत ने बताया कि राज्य योजना आयोग द्वारा तैयार किया गया ''डिस्ट्रिक्ट इंडिकेटर फ्रेमवर्क'' के आधार पर ''छत्तीसगढ़ एस.डी.जी. डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट 2021'' व ''एस.डी.जी. डैशबोर्ड'' तैयार किया गया है, जो छत्तीसगढ़ राज्य का सतत विकास लक्ष्य में वर्षवार गोल आधारित एवं जिला आधारित विश्लेषण करती है। यह रिपोर्ट व डैशबोर्ड समस्त कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ एवं विभाग प्रमुख को विकास की बाधाओं की पहचान कर आंकड़े आधारित साक्ष्य के आधार उनकी रणनीतियों को लागू करने में मार्गदर्शक की भूमिका का निर्वहन करेगा।

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

पॉडकास्ट एवं बहुभाषा शिक्षा की समझ पर आनलाईन कोर्स की होगी शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 21 फरवरी के अवसर पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों द्वारा बोले जाने वाली भाषा एवं बोलियों में प्रचलित कहानियों पर आधारित पॉडकास्ट तैयार कर कक्षाओं में उनका उपयोग करना प्रारंभ किया जा रहा है। इसके साथ ही लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ.) द्वारा बहुभाषा शिक्षा की समझ पर तैयार आनलाईन कोर्स को भी जिला एवं विकासखंड स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रारंभ किया जा रहा है।

इस कोर्स को करने के बाद अधिकारी बहुभाषा शिक्षण के प्रति संवेदनशील होकर बच्चों को उनकी भाषा में सीखने के लिए समुचित अवसर प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य में स्कूली बच्चों को उनकी स्थानीय भाषा में शिक्षा देने की घोषणा की गई है। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम द्वारा इस कार्य की निरंतर समीक्षा की जा रही है।
जिसके आधार पर मातृभाषा शिक्षण पर विभिन्न कार्य प्रारंभ किए गए हैं, इसका लाभ राज्य में आदिवासी अंचल के बच्चों को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जहां लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ) और यूनिसेफ के सहयोग से भाषाई सर्वेक्षण का कार्य भी पूरा किया गया है। राज्य में वर्तमान में शिक्षकों की एक टीम द्वारा प्रतिमाह चर्चा पत्र को पॉडकास्ट के रूप में प्रकाशित किया जाता है। इसे शिक्षक बड़ी रूचि से सुनते हैं और उसमें कही गयी बातों को अपनी–अपनी कक्षा में लागू करने का प्रयास करते हैं। इसी कड़ी में कुछ विशेषज्ञ शिक्षकों, कुछ स्थानीय भाषा के जानकार शिक्षकों एवं कुछ बाह्य संस्थाएं जो इस कार्य में सहयोग देना चाहते हों, उनके साथ मिलकर विभिन्न स्थानीय कहानियों का संकलन, उन पर पॉडकास्ट बनाना, बाद में चयनित कुछ कहानियों का प्रिंट वर्जन भी साझा करना जैसे कार्य इस टीम के साथ मिलकर किए जाएंगे। इस कार्य के लिए इच्छुक लोगों की टीम सोशल मीडिया के माध्यम से बनायी जाएगी। इस पॉडकास्ट का स्कूलों में शिक्षकों द्वारा अपने मोबाइल, प्राथमिक शालाओं में उपलब्ध स्पीकर आदि का उपयोग कर इस्तेमाल में लाया जा सकेगा।

इस पॉडकास्ट को सुनकर बच्चे अपनी संस्कृति, इतिहास एवं परंपराओं को जानकार आत्म गौरवान्वित हो सकेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने स्थानीय भाषा के जानकार शिक्षकों, समुदाय के सक्रिय बड़े–बुजुर्गों, तकनीकी रूप से सक्षम शिक्षकों को पॉडकास्ट तैयार करने में सहयोग देने एवं सभी अधिकारियों को इस आनलाईन कोर्स को गंभीरतापूर्वक करने की अपील की है।

कैट सीजी चैप्टर एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम सेमीनार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 22 फरवरी दिन बुधवार को अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम सेमीनार का आयोजन वृन्दवान हॉल सिविल लाईन्स में दोपहर 3:30 बजे से होगा। कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश प्रभारी

अध्यक्ष परमानन्द जैन एवं प्रदेश महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 22 फरवरी दिन बुधवार को अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम सेमीनार का आयोजन वृन्दवान हॉल सिविल लाईन्स में दोपहर 3:30 बजे से होगा।
उपरोक्त सेमीनार में मुख्य अतिथि मयंक श्रीवास्तव, (आईपीएस) निदेशक अग्निशमन विभाग (छ.ग. शासन) एवं अमर पारवानी कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा विशिष्ठ अथिति जगमोहन जैन, सेवानिवृत्त, चीफ फायर ऑफिसर (बीसएसपी) एवं अरविंद रस्तोगी जी, संयुक्त सचिव (एफएसएआई) होगें। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों द्वारा अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम की जानकारी दी जायेगी।

कैट युवा टीम के प्रदेश अध्यक्ष अवनीत सिंह, प्रदेश महामंत्री अमर धिगांनी एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल ने बताया कि उपरोक्त सेमीनार में अग्निशमन विभाग के अधिकारी, बीमा कम्पनी के अधिकारी एवं अग्निशमन उपकरण विक्रेता विशेष रूप से उपस्थित रहेगें। अभी गर्मी आने वाली है, जिससे कि दुकानों में आग लगने की घटनाएँ बढ़ जाती है। इस प्रकार के दुर्घटना से कैसे बचा जा सकता है। तथा इससे होने वाली हानि को कैसे रोका जा सकता है। दुर्घटना होने पश्चात् व्यापारियों को बीमा कम्पनी से क्या–क्या लाभ मिल सकतें है, की जानकारी दी जायेगी। कैट युवा टीम सभी व्यापारियो से अपील करती है कि उपरोक्त सेमीनार में जरूर पंहुचे और इसका लाभ उठाये।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए– मार्केट, सेक्टर–6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर...

शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन परीक्षाओं के मूल्यांकन हेतु पंजीयन-नवीनीकरण के लिए आवेदन 28 फरवरी तक

रायपुर। शीघ्रलेखन, मुद्रलेखन, परीक्षा परिषद, लोक शिक्षण संचालनालय इन्द्रावती भवन अटल नगर रायपुर द्वारा प्रदेश स्तर पर प्रतिवर्ष शीघ्रलेखन और मुद्रलेखन की परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ रायपुर में मूल्यांकन कार्य के लिए शीघ्रलेखकों का नवीन पंजीयन और नवीनीकरण किया जा रहा है। ऐसे वरिष्ठ शीघ्रलेखक जो न्यूनतम 10 वर्ष की शासकीय सेवा शीघ्रलेखक के पद पर करने का अनुभव रखते हैं और छत्तीसगढ़ में शासकीय सेवा में कार्यरत हों, वे निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र की पूर्ति पश्चात परिषद कार्यालय लोक शिक्षण संचालनालय में 28 फरवरी 2023 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। इनका पंजीयन 3 वर्ष के लिए होगा। शीघ्रलेखन, मुद्रलेखन परीक्षा परिषद के सचिव ने बताया कि आवेदन शासकीय कोषालय में 'लेखा शीर्ष' 0202-शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति (01) सामान्य शिक्षा (600) सामान्य (0661) स्कूल शिक्षा के अंतर्गत 100 रूपए जमा कराकर एक प्रति संलग्न करना होगा।

मंत्री अनिला भेंड़िया ने ली प्रदर्शनीय समिति की बैठक

रायपुर। राष्ट्रीय कांग्रेस की 85वां अधिवेशन के लिये गठित प्रदर्शनीय समिति की आवश्यक बैठक प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में हुई। इस बैठक में चेयरमेन अनिला भेंड़िया, संयोजक अर्जुन तिवारी, सदस्य लालजीत राठिया, शाहीद खान, अरूण सिसोदिया, अंबालिका साहू, मंजू सिंह, सुनीता शर्मा, कुलीश मिश्रा, पुष्पा पाटले, प्रिंस शर्मा, हरप्रीत सिंह, तौकीर अहमद खान, मनीष दयाल, बबिता सिंह, बबिता सेन गुप्ता, कल्पना देशमुख, उषारंजन श्रीवास्तव व अंबिका सिन्हा उपस्थित हुए।

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का संकल्प हो रहा पूराः विधानसभा अध्यक्ष डॉ. महंत

दो दिवसीय पाली महोत्सव का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ समापन

बालीवुड और छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कलाकारो ने दी मनमोहक प्रस्तुति

डॉ. पूर्णा राउत के भाव भंगिमा युक्त ओड़िसी नृत्य ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय पाली महोत्सव आयोजन किया गया, जिसका समापन 19 फरवरी को हुआ। इस आयोजन में प्रदेश और देश के प्रसिद्ध कलाकारों ने हिस्सा लिया और अपनी शानदार प्रस्तुति दी।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा- यह खुशी की बात है कि केरा झरिया के नए ग्राउंड में पाली महोत्सव का आयोजन हुआ है। इस महोत्सव में उमड़ा लोगों का हुजुम दर्शाता है कि यह महोत्सव दिनों दिन लोकप्रिय हो रहा है। गढ़बो नवा छत्तीसगढ का संकल्प मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में पूरा हो रहा है। उन्होंने आने वाले वर्षों में इससे भी भव्य आयोजन होने की आशा जताई। डॉ. महंत ने राज्य की कला संस्कृति को उजागर करने और प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। विधानसभा अध्यक्ष ने पाली महोत्सव के भव्य और सफल आयोजन के लिए कलेक्टर संजीव झा सहित जिला प्रशासन की पूरी टीम की तारीफ की और सभी को शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर कोरबा लोकसभा सांसद ज्योत्सना महंत उपस्थित थी।

दो दिवसीय पाली महोत्सव में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध गायक संगीतकार और अभिनेता नितिन दुबे और प्रसिद्ध पॉप स्टार हार्डी संधु ने की प्रस्तुति को हजारों दर्शकों से जमकर सराहना मिली। वहीं सिंगर पलक मुच्छल की गानों को सुनकर आमजनों ने खूब आनंद लिया। छत्तीसगढी सुपरस्टार अनुज शर्मा एवं सुश्री आरू साहू के छत्तीसगढ़ी गाना ने भी लोगों का खूब मनोरंजन किया। साथ ही सहदेव दिरदो ने भी अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। दर्शक दीर्घा में बैठे विधायक द्वय मोहित राम केरकेट्टा, पुरुषोत्तम कंवर, कलेक्टर संजीव झा एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण ने सभी कलाकारों की प्रस्तुति को देखा और आनंद लिया।

पाली महोत्सव के अंतिम दिन प्रसिद्ध ओडिसी नर्तक डॉ. पूर्णा राउत ने भगवान जगन्नाथ को समर्पित पूजा गीत को ओडिसी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुति दी। उल्लेखनीय है कि देव आराध्य क्लासिकल डांस ओडिसी प्राचीन काल से ओडिसा के मंदिरों में किया जाने वाला प्रसिद्ध नृत्य है। इसके माध्यम से भगवान जगन्नाथ के आराधना को भाव भंगिमा के साथ नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। महोत्सव में शामिल समस्त कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

जन चौपाल में मिले 30 से अधिक आवेदन

कलेक्टर ने अधिकारियों को तत्परता से आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए

जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने कलेक्टर डॉ भुरे को बताई समस्याएं

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जन चौपाल के माध्यम से आम नागरिकों की विभिन्न शिकायत एवं मांग से संबंधित 30 से अधिक आवेदनों को सुना।

जन चौपाल में आज हेरम लाल साहू ने भू-अर्जन दिलाए जाने के संबंध में, ग्राम अमसेना के मालिक राम साहू ने झूठा प्रलोभन बता कर लोन दिलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने, ग्राम ओड़का की देवकुमारी मारकंडे ने मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना की राशि दिलाने एवं ग्राम ओड़का के ही बाबूलाल मारकंडे ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर डॉ भुरे ने प्रकरण को उचित प्रतिवेदन में भेजने की जानकारी दी।

इसी प्रकार ग्राम गोतियारडीह के सरपंच मुकेश ढीढ़ी ने ग्राम पंचायत में भवन निर्माण की मांग की। ग्राम पंडरभट्टा के राजेंद्र वर्मा ने अधिग्रहित की गई कृषि भूमि का मुआवजा राशि दिलाने, जनपद पंचायत अभनपुर के टी.एन. अवसरिया ने अपनी बिमारी के ईलाज की व्यय राशि दिलाने, ग्राम सिवनी के घनश्याम प्रसाद बर्मा ने अपने स्वर्गीय पिता के खाते के अंतरण के संबंध में, शास्त्री चैक निवासी हबीब सिद्दीकी एवं फरीद सिद्दीकी ने ग्राम पठारीडीह में भूमि आवंटन किए जाने, शंकर नगर निवासी सीमा शाह ने अपने स्वामित्व की भूमि पर कब्जे की शिकायत के संबंध में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर डॉ भुरे ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राजभवन सचिवालय द्वारा राज्यपाल सुश्री उइके को दी गई भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके को मणिपुर का नया राज्यपाल बनाया गया है। राजभवन सचिवालय द्वारा आयोजित विदाई समारोह के उपरांत राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने छत्तीसगढ़ के प्रदेशवासियों के नाम अपना संदेश प्रेषित कर आभार व्यक्त किया है।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि 29 जुलाई 2019 से राज्यपाल के रूप में उन्हें प्रतिपल छत्तीसगढ़ वासियों का असीम प्रेम प्राप्त हुआ है। प्रदेशवासी जितने सरल, सहज और निश्छल स्वभाव के हैं, उतनी ही आत्मीयता के साथ मुझे राज्यपाल के रूप में स्वीकार किया। शासन-प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों के सतत् सहयोग से प्रदेश की शासकीय गतिविधियों के संचालन में कभी कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री

भूपेश बघेल, मंत्रीमण्डल के सभी सदस्यों, सभी संवैधानिक निकायों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, रेडक्रॉस, सैनिक कल्याण बोर्ड, सभी शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों से जुड़े अधिकारियों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। राज्यपाल ने कहा कि सभी के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग से ही प्रदेश के विकास तथा कल्याण के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन कर पाई। उन्होंने अपने संदेश में आगे कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश को लेकर मेरा अनुभव इतना सुखद रहा है कि मैं प्रदेश में बस्तर से लेकर सरगुजा तक जहां भी गई, मुझे लोगों का असीम स्नेह मिला। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने आत्मीयता के साथ मुझसे मुलाकात की और अपनी समस्याएं साझा की। राज्यपाल के रूप में अपनी क्षमता के अनुरूप यथा संभव उनका सहयोग किया। प्रदेश जनजातीय बाहुल्य है और संवैधानिक प्रमुख के रूप में उनके हितों का संरक्षण भी राज्यपाल की जिम्मेदारी है।

छत्तीसगढ़ चिकित्सा शिक्षा संचालनालय का कार्यालय नवा रायपुर, अटल नगर में स्थानांतरित

रायपुर। छत्तीसगढ़ चिकित्सा शिक्षा संचालनालय का नवीन कार्यालय वर्तमान में अटल नगर, नवा रायपुर में संचालित हो रहा है, इसका नवीन पता- संचालनालय चिकित्सा शिक्षा, छत्तीसगढ़ नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, स्वास्थ्य भवन, द्वितीय तल, नया रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़ पिन-492002 है। पूर्व में यह कार्यालय पुराना नर्सेस हॉस्टल, डी.के.एस. भवन परिसर रायपुर, छत्तीसगढ में संचालित किया जा रहा था।

नए दौर में स्त्रियां रच रही हैं अपनी दुनिया का साहित्य

सार्थक चर्चाओं व काव्यपाठ के साथ दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम, 'स्त्री-2023 सृजन और सरोकार' का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद की ओर से दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम 'स्त्री-2023 सृजन और सरोकार' के अंतर्गत दूसरे और अंतिम दिन सोमवार 20 फरवरी को शहर के न्यू सर्किट हाउस सिविल लाइंस स्थित कन्वेंशन हॉल में देशभर से आये रचनाकारों, समीक्षकों ने विचारोत्तेजक चर्चा की। जिसमें स्त्री विमर्श से जुड़े विभिन्न मसलों पर ऐतिहासिक परिपेक्ष्य में वक्ताओं ने अपने विचार रखे। शाम के सत्र में कविता पाठ ने भी दर्शकों को बांधे रखा।

सुबह पहले सत्र में 'साहित्य में स्त्री और स्त्री का साहित्य' विषय पर वक्ताओं ने अपनी बात रखी। जिसमें मूल रूप से यह विचार उभर कर आया कि पहले पुरुष के रचे साहित्य से स्त्रियां व्याख्यायित होती थीं, अब नया दौर है इसमें स्त्रियां अपनी दुनिया का साहित्य खुद रच रही हैं। आशीष मिश्र ने समकालीन कविता में स्त्री और स्त्री की समकालीन कविता पर वक्तव्य की शुरुआत की। उन्होंने आधुनिक स्त्री कविताओं को चार प्रस्थान बिंदुओं में बांट कर कहने के विषय के विकास को स्पष्ट किया।

पूनम वासम (बीजापुर) और जंसिता केरकेट्टा (झारखंड) की कविताओं में प्रकृति के स्त्री के साथ तारतम्य से जुड़े प्रतिमानों और संबंधों को उजागर करती कविताओं ने अपनी पहचान बनाई। पूनम अरोड़ा ने स्त्री दृष्टि या पुरुष दृष्टि के बजाय स्त्री भाषा और पुरुष भाषा के अनुसार साहित्य के रचे जाने को ही महत्वपूर्ण बताया।प्रिया वर्मा ने भारत में विक्टोरिया युग में प्रारंभ हुए स्त्री शिक्षा के समय के एक अच्छी स्त्री होने के मापदंडों को आज भी मध्यवर्ग की स्त्रियों में लागू होने की बात करते हुए ग्रामीण और शहरी स्त्रियों की अलग अलग समस्याओं का जिक्र किया।हेमलता माहेश्वर ने स्त्री के रूप में लिखना साहित्य में एक राजनैतिक हस्तक्षेप मानते हुए हाशिये पर खड़े लोगों की अनसुनी आवाजों को सुनने के लिये साहित्य के लिये जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि पाली से हिंदी में विमल कीर्ति के अनुवाद आने के बाद सुमंगला माता जैसी कृतियों से स्त्री आवाजों को बाद में चिन्हित किया गया। फुले दंपति और डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से महिलाओं के स्वरों को आवाज़ मिली। उन्होंने मुद्दा उठाया कि जंसिता केरकेट्टा जैसी कलमकारों की रचनाओं में 'मेरा गांव घर जिधर है शासन की बंदूक उधर है' जैसे सवाल अब भी क्यों है..?

डॉ रोहिणी अग्रवाल ने भारतीय इतिहास में योगदान करने वाली महिलाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी जेंडर आधार पर महिलाओं उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा साहित्य हो या क्रिकेट भारतीय स्त्रियों को प्रोत्साहन नही मिलता।

साहित्य जगत भी अपनी समकालीन स्त्री रचनाकारों को कहां, कैसे दर्ज करता है? 1882 की 'सीमान्तनी उपदेश' जैसी किताबों को इतिहास से विलुप्त करके उसी समय में आयी 'बंग महिला' को सुविधाजनक होने के कारण दर्ज किया गया। इस सत्र का संचालन रश्मि रावत ने किया।

आयोजन का दूसरा सत्र चर्चा का था। जिसमें 'साहित्य में स्त्री दृष्टि क्या है..?' विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे।जयशंकर ने कहा-रचनाकार के अंदर स्त्री और पुरुष दोनों की दृष्टि काम कर रही होती है जो हमे एक सर्जक के तत्व की ओर ले जाती है। इसका उदाहरण 'चोखेर बाली' के रचयिता रवींद्रनाथ टैगोर और 'अन्ना केरेनना' के रचयिता लियो टालस्टाय की रचनाओं में देखा जा सकता है।

लवली गोस्वामी ने स्त्री दृष्टि को पुरुष से अलग बताते हुए कहा कि संतान जनने की प्रक्रिया और ट्रांसजेंडर की जिंदगी के दुखों से वंचित रहने के कारण उसकी अभिव्यक्ति अलग होगी। जबकि स्त्री का रचा साहित्य सर्वकालिक समन्वित जेंडर की जरूरत और संवेदनाओं को अभिव्यक्त करेगा। प्रत्यक्षा ने कहा कि अपनी रचना प्रक्रिया के दौरान रचनाकार अपने जेंडर से ट्रांसजेंड करके अधिक सटीकता से लिख पाता है। बाहर और भीतर की दुनिया को उकेरने का काम स्त्री दृष्टि से किया जाता है जो बहुत महत्वपूर्ण सर्जना का कारण बनता है।

प्रियंका दुबे ने स्त्री जीवन में आज आये बदलाव का असर आज के साहित्य में कम ही दिखने की शिकायत करते हुए कहा स्त्री जीवन भर बेदखली या विस्थापन झेलती है और वही उसकी रचनाओं में अपनी जटिलताओं, परतों के साथ बहुत कम आ रहा है साहित्य में। उसकी सटीक अभिव्यक्ति के लिये हर स्तर पर रचनाकारों को खुद को भी विकसित करना होगा।साहित्य अकादमी के अध्यक्ष ईश्वर सिंह दोस्त ने अंत मे हस्तक्षेप करते हुए प्रश्न उठाया कि,क्या हर स्त्री के पास स्त्री दृष्टि हो सकती है? क्या हर मजदूर के पास श्रमिक दृष्टि और दलित के पास दलित दृष्टि हो सकती है?

शायद नही, भले ही उस दृष्टि को हासिल करना उसके लिये आसान होगा। स्त्री के ऊपर मातृत्व की विचारधारा को जैसे लाद दिया जाता है उसी तरह प्रकृति की उपमा से जोड़ कर स्त्रीभाव पर लाद देना भी वैसी ही प्रक्रिया लगती है। पिछले कुछ सालों में साहित्य व आलोचना के स्थापित प्रतिमानों के सामने स्त्री लेखन ने बड़ी चुनौती पेश की है।

काव्यपाठ में उभरी स्त्री संवेदनाएं

आयोजन के अंतिम दिन का अंतिम सत्र काव्यपाठ के नाम रहा। जिसमें स्त्री रचनाकारों के साथ साथ पुरुष कवियों ने भी भागीदारी की। इस आयोजन में शाम 4:00 बजे कविता पाठ सत्र में देवी प्रसाद मिश्र, मृदुला सिंह, गिरिराज किराडू, श्रुति कुशवाहा, पूनम अरोड़ा, सुमेधा अग्रश्री,नेहल शाह, प्रिया वर्मा, रूपम मिश्र और लवली गोस्वामी ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। इन कवियों में लवली गोस्वामी ने कहा- 'प्रेम में उतना डूबो, जितना डूबती है नाव'। गिरिराज किराडू ने कहा- 'हत्या करने के विचार से उत्तेजित टीवी स्टूडियो को हर उस भाषा में बोलना आता था जिसमें अब तक बोलने और चुप रहने की कोशिश की थी मैंने'। नेहल की रचनाओं में आजादी की बात थी। उन्होंने कहा- 'मैं सोचती रही आज़ादी है मुझे चुनने की रंग अपनी पसंद के किन्तु यह संभव न हुआ कभी।' प्रिया वर्मा ने स्त्री अनुभूति पर कहा- 'क्या होता है अकेला होना जानने के लिए लेना पड़ा मुझे जन्म'। पूनम अरोड़ा ने कहा- 'तुम इतने बोधगम्य हो,जैसे समाधिस्थ बुद्ध के पास पड़ा एक कामनाहीन पत्ता।' देर शाम तक चले काव्यपाठ के बाद आयोजन का समापन हुआ।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

गुलाब के डंठल से स्वास्थ्य को मिल सकते हैं ये 5 प्रमुख लाभ

अमूमन लोग गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल करके इसके डंठल को फेंक देते हैं, लेकिन यह फूल का एक गुणकारी हिस्सा है। गुलाब का डंठल एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन- सी, फिनोल, लाइकोपीन और एलेगिक एसिड से भरपूर होता है। अगर आप इसे किसी भी तरह से अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं तो यह कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। आइए आज गुलाब के डंठल के पांच प्रमुख फायदे जानते हैं।

कैंसर से सुरक्षित रखने में है सहायक

विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, गुलाब के डंठल का अर्क स्तन कैंसर की कोशिकाओं के विकास पर रोक लगा सकता है। डंठल से निकालने की उच्चतम सांद्रता स्तन कैंसर कोशिकाओं के विकास को 45 प्रतिशत तक कम कर देती है। इसके अतिरिक्त, यह मस्तिष्क कैंसर को रोकने में भी सहायक है। एक अन्य अध्ययन के मुताबिक, गुलाब के डंठल में मौजूद फाइटोकेमिकल्स मानव शरीर को कई अन्य कैंसर से बचाने में भी सहायक है।

हृदय को स्वस्थ रखने में मददगार

कई विटामिन्स, फाइटोकेमिकल्स और खनिजों से भरपूर गुलाब के डंठल का सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद एंथोसायनिन हृदय रोग से सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है। इसी तरह इसमें मौजूद कम घनत्व वाले लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल की ऑक्सीकरण प्रक्रिया को भी 50 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, एंथोसायनिन अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने और खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी मदद कर सकता है।

अर्थराइटिस का जोखिम कर सकता है कम

एक अध्ययन के मुताबिक, गुलाब के डंठल के पाउडर ने लगभग 300 ऑस्टियोआर्थराइटिस रोगियों के कूल्हों, जोड़ों और घुटनों में लगभग एक तिहाई दर्द कम किया। इसका कारण है कि इसमें फैटी एसिड जीओपीओ होता है, जो एंटी-अर्थराइटिस गुण की तरह काम अर्थराइटिस के जोखिम कम करने में मदद कर सकता है। अगर आपको रूमेटाइड अर्थराइटिस है तो भी यह आपके लिए सुरक्षित और फायदेमंद है।

पाचन क्रिया को मजबूत बनाने में प्रभावी

गुलाब का डंठल पाचन क्रिया को मजबूत बनाने में भी सहायक है। कई अध्ययनों के मुताबिक, यह पाचन क्रिया से जुड़ी समस्याओं जैसे, गैस, सूजन, कब्ज और अपच आदि का इलाज करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा यह मतली और पेट की ऐंठन से भी राहत प्रदान कर सकता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पेट के अल्सर के इलाज में भी मददगार हैं।

मधुमेह को नियंत्रित करने में है कारगर

गुलाब के डंठल में मौजूद एंटी-डायबिटीक गुण इसे मधुमेह रोगियों को अपनी डाइट में शामिल करने के लिए उपयुक्त बनाता है। इसमें सैपोनिन, टैनिन, फ्लेवोनोइड्स और अल्कलॉइड समेत फाइटोकेमिकल्स की अधिक मात्रा होती है, जो ब्लड शुगर को कम करके मधुमेह को नियंत्रित रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह टाइप 2 मधुमेह का जोखिम कम करने में भी सहायक है। ऐसे में इसका इस्तेमाल आपको कई बीमारियों से दूर रख सकता है।

कैलोरी बर्न करने के लिए जॉगिंग की जगह ये 5 विकल्प अपनाएं, मिलेगा ज्यादा फायदा

अधिक कैलोरी बर्न करने के लिए सबसे अच्छा तरीका एक्सरसाइज करना माना जाता है। जॉगिंग भी एक तरह की एक्सरसाइज है, जिसमें व्यक्ति को धीमी गति में दौड़ना होता है। कुछ लोग ट्रेडमिल पर तो कुछ लोग पार्क में जॉगिंग करते नजर आते हैं। हालांकि, वजन कम करने के लिए यह एक्सरसाइज कभी-कभी बहुत थकाऊ भी हो जाती है। आइए आज कैलोरी बर्न करने के लिए जॉगिंग के पांच विकल्पों के बारे में जानते हैं।

साइकिल चलाना

साइकिल चलाना शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को घटाने की सबसे कारगर एक्सरसाइज में से एक है। अध्ययनों से यह पता चला है कि रोजाना एक घंटा साइकिल चलाने से लगभग 590 कैलोरी बर्न होती है। आप जिम जाते वक्त साइकिल का इस्तेमाल कर सकते हैं, इससे आपकी पैरों की एक्सरसाइज भी होती रहेगी। इसके अलावा साइकिलिंग करने से मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं और इससे घुटने और जोड़ों के दर्द से भी राहत मिलती है।

किक-बॉक्सिंग

किक-बॉक्सिंग एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसे रोजाना 60 मिनट करने से लगभग 900 कैलोरी बर्न की जा सकती है और जल्दी से वजन नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि, इसके लिए आपको किक-बॉक्सिंग के दौरान तेजी से कूदने की जरूरत होती है। बेहतर परिणाम के लिए 10 मिनट की किक-बॉक्सिंग के बाद लगभग दो से तीन मिनट के लिए आराम करें और फिर दोबारा 10 मिनट तक किक-बॉक्सिंग करें।

रस्सी कूदना

अगर आप जॉगिंग की जगह रोजाना रस्सी कूदते हैं तो इससे भी आप 1,074 कैलोरी बर्न कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको रोजाना कम से कम 60 मिनट तक रस्सी कूदनी होगी। इसके अतिरिक्त रोजाना रस्सी कूदने से हृदय के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और शरीर की तमाम मांसपेशियां बेहतर तरीके से काम करती हैं। इससे शरीर का संतुलन बनाए रखने में भी मदद मिलती है।

स्विमिंग

कैलोरी बर्न करने के लिए ट्रेडमिल पर दौड़ने या तेज धूप में पसीना बहाने की बजाय आप शरीर को ठंडे पानी में रखकर भी एक्सरसाइज कर सकते हैं। स्विमिंग एक बेहतरीन एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे एक साथ पूरे शरीर की एक्सरसाइज होती है। अध्ययनों के मुताबिक, अगर आप रोजाना एक घंटा स्विमिंग करते हैं तो इससे लगभग 510 कैलोरी कम हो जाती है और इससे बढ़ते वजन को नियंत्रित करना आसान हो जाता है।

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक तरह का कार्डियो वर्कआउट है, जिसे बहुत तेजी से किया जाता है। आधे घंटे तक इस वर्कआउट को करने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है और यह 400 से 600 के बीच कैलोरी बर्न करने में मदद कर सकता है। इससे बढ़ते वजन को कम करना आसान हो जाता है। इसके अतिरिक्त यह मांसपेशियों को मजबूत करने के साथ-साथ ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर के स्तर को नियंत्रित करने में भी काफी सहायक है।

रूमेटाइड अर्थराइटिसः ये है इस रोग के कारण, लक्षण और बचाव के उपाय

रूमेटाइड अर्थराइटिस एक ऑटोइम्यून बीमारी है। इससे ग्रस्त व्यक्ति के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगती है और शरीर के जोड़ वाले हिस्सों में सूजन के साथ तेज दर्द शुरू हो जाता है। ऐसे में समय रहते इस बीमारी का उपचार जरूरी है, लेकिन इससे जुड़ी पूरी जानकारी के बिना यह संभव नहीं है। आइए आज रूमेटाइड अर्थराइटिस होने के कारण, लक्षण और इलाज के बारे में जानते हैं।

क्या है रूमेटाइड अर्थराइटिस के कारण?

रूमेटाइड अर्थराइटिस शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता के स्वस्थ शरीर के ऊतकों पर हमला करने का परिणाम है। इसी तरह आनुवांशिकता और धूम्रपान भी इस बीमारी का जोखिम बढ़ा सकते हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग सिगरेट पीते हैं उनमें रूमेटाइड अर्थराइटिस विकसित होने का खतरा बहुत अधिक बढ़ जाता है। इसी तरह मोटापा और गलत आहार के कारण भी रूमेटाइड अर्थराइटिस की चपेट में आने की आशंका बढ़ जाती है।

क्या है रूमेटाइड अर्थराइटिस से जुड़े लक्षण?

रूमेटाइड अर्थराइटिस के लक्षण आमतौर पर हाथों, कलाई और घुटनों के जोड़ों को प्रभावित करते हैं, लेकिन फेफड़े, हृदय, आंखों सहित पूरे शरीर के ऊतकों और अंगों पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। जोड़ो में दर्द, अकड़न, सूजन, थकान, भूख में कमी, कमजोरी इस बीमारी के मुख्य लक्षण हैं। लक्षण हल्के से गंभीर तक भिन्न हो सकते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

रूमेटाइड अर्थराइटिस का पता लगाने के तरीके

अगर किसी व्यक्ति को रूमेटाइड अर्थराइटिस के लक्षण नजर आते हैं तो उसे तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। इससे वह कुछ जांच कराकर बता सकते हैं कि आपको यह बीमारी है या नहीं। इसके लिए डॉक्टर उसे एक्स-रे और एमआरआई स्कैन कराने को कह सकता है। अगर डॉक्टर को व्यक्ति में रूमेटाइड अर्थराइटिस होने की संभावना दिखाई देती है तो वह उसे ईएसआर टेस्ट, सीआरपी टेस्ट और एंटी- सीसीपी टेस्ट कराने की भी सलाह दे सकता है।

क्या है रूमेटाइड अर्थराइटिस का इलाज?

रूमेटाइड अर्थराइटिस का इलाज दो तरह (दवा और सर्जरी) से किया जा सकता है।

दवाः- दर्द और सूजन को कम करने, जोड़ों की प्रक्रिया में सुधार करने और जोड़ों के खराब होने के जोखिम को दूर करने के लिए डॉक्टर कुछ खास दवाएं दे सकते हैं।

सर्जरीः- अगर समस्या गंभीर हो जाती है तो डॉक्टर सर्जरी कराने की भी सलाह दे सकते हैं। इसमें जॉइंट रिप्लेसमेंट आदि प्रक्रिया को अपनाया जा सकता है।

हैमस्ट्रिंग को मजबूती देने में मदद कर सकती हैं ये 5 एक्सरसाइज

हैमस्ट्रिंग दोनों जांघों के पीछे मौजूद मांसपेशियों को कहा जाता है। ये मांसपेशियां कूल्हों से घुटनों तक के बीच होती हैं। अगर किसी कारणवश इन मांसपेशियों में खिंचाव आ जाता है तो इसके कारण तेज दर्द होने लगता है और चलने-फिरने से लेकर बैठने-उठने तक में समस्या होने लगती है। आइए हम आपको पांच ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जो हैमस्ट्रिंग को खिंचाव आदि से सुरक्षित रखते हुए मजबूती देने में मदद कर सकती हैं।

रिवर्स प्लैंक एक्सरसाइज

इस प्लैंक एक्सरसाइज के लिए जमीन पर पैरों को फैलाकर बैठ जाएं, फिर अपने दोनों हाथों को पीठ के पीछे ले जाएं और हथेलियों को जमीन पर रखें। इसके बाद सामान्य सांस लेते रहें और अपने शरीर को पीछे की ओर करते हुए शरीर को अपनी क्षमतानुसार उठाने की कोशिश करें। इस दौरान अपने सिर को भी पीछे की ओर झुकाएं और अपने तलवों को जमीन से सटाएं। कुछ देर इसी स्थिति में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

गुड मॉर्निंग एक्सरसाइज

सबसे पहले जमीन पर अपने पैरों को थोड़ा खोलकर खड़े हो जाएं और अपने हाथों को अपने कानों पर रखें। अब अपने घुटनों को थोड़ा मोड़कर आगे की ओर झुकें। जब तक आप फर्श के समानांतर न हों तब तक अपने सिर को नीचे करके रखें। प्रारंभिक स्थिति में वापस आने के लिए धीरे-धीरे अपने शरीर को सीधा करें। आप चाहें तो इस एक्सरसाइज को करते समय अपनी पीठ पर एक बारबेल भी रख सकते हैं।

स्क्वाट एक्सरसाइज

सबसे पहले अपने दोनों हाथ सामने की ओर खोलकर सीधे खड़े हो जाएं। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जिस तरह से कुर्सी पर बैठा जाता है। इसके बाद सांस भरते हुए धीरे-धीरे नीचे झुकें और फिर ऊपर आते समय सांस छोड़ें। ऐसा आप 10 मिनट तक कर सकते हैं। शुरूआत में 10 स्क्वाट करें और फिर धीरे-धीरे 12-15 तक ले जाएं।

सिंगल लेग ब्रिज एक्सरसाइज

इसके लिए सबसे पहले जमीन पर पीठ के बल लेटें और अपने एक घुटने को इस प्रकार मोड़ें कि तलवा जमीन से सट जाएं। अब धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए अपने दूसरे पैर और शरीर को ऊपर उठाएं और ध्यान रखें कि इस दौरान शरीर का वजन दूसरे पैर पर रहें। धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं, फिर इसी प्रक्रिया को दूसरे पैर से दोहराएं और ऐसा लगभग 10 बार करें।

बारबेल हिप थ्रस्ट एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज के लिए अपने पैरों को जमीन पर रखें और अपनी पीठ को किसी बैंच के सहारे टिकाएं। अब बारबेल को जांघों के ऊपरी जोड़ के पास रखें और पीठ को सीधा रखते हुए इतना नीचे होएं कि थाइज और पेट के बीच 45 डिग्री का कोण बने। इसके बाद बारबेल को ऊपर की ओर उठाते हुए जांघ और पेट को एक सीध में होने तक उठाएं और फिर से नीचे जाएं। इस प्रक्रिया को 20-25 सेकंड तक दोहराएं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

आरू साहू के ददरिया गीत पर विधायक - कलेक्टर भी थिरके

कोरबा। पाली महोत्सव के समापन अवसर पर एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखने को मिली। नृत्य, गायन ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। पाली महोत्सव के समापन का आनन्द लेने पहुंचे लोगो ने 19 फरवरी को भी पूरे कार्यक्रम का जोश और उत्साह के साथ लुत्फ उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ी की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति, लोक संगीत की झलक दिखी। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ी की उभरती 14 वर्षीय बाल गायिका आरु साहू द्वारा प्रस्तुत बटकी म बासी, चुटकी म नून.. ददरिया गीत से दर्शक दीर्घा में बैठे विधायक द्वय मोहित राम केरकेट्टा, पुरुषोत्तम कंवर, कलेक्टर संजीव झा एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण भी मंच पर आकर थिरकने लगे। सभी ने मंच में आकर ताली बजाकर आरू साहू का उत्साह वर्धन किया। साथ ही कार्यक्रम प्रस्तुति पश्चात स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। इसी प्रकार आरू साहू द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीत ओ मैया झूप झुप महू ला नचाई दे... ने सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। दर्शकों ने खूब ताली बजाकर बाल गायिका आरू साहू का अभिवादन किया। इसी प्रकार तरी हरी नाना... सुवा गीत और गौरा गौरी गीत ने भक्तिमय अंदाज में सभी दर्शकों को खूब रोमांचित किया। साथ ही दर्शक गण सुमधुर छत्तीसगढ़ी संगीत सुनकर धुन में खो गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत शिव तांडव और बॉलीवुड डांस ग्रुप द्वारा दिए प्रस्तुति ने भी दर्शकों का मन भाया।

एक लाख 8 हजार मानक बोरा संग्रहण का लक्ष्य

सुकमा। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा काष्ठागार सुकमा में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभाग द्वारा शाख कर्तन (बुटा कटाई) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला में बताया गया कि राज्य सरकार के जनकल्याणकारी महत्वाकांक्षी योजनाओं में तेंदूपत्ता संग्रहण योजना शामिल है। जिसके तहत तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले को लाभ पहुंचाना इसका मुख्य उद्देश्य है। कार्यशाला में शहीद महेन्द्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना और छात्रवृत्ति योजना प्रतिभाशाली एवं मेधावी छात्रवृत्ति योजना के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी प्रदान किया। तेंदुपत्ता संग्रहण का जो कार्य है वो एक से दो सप्ताह का होता है। जिसमें बुटा कटाई का अहम योगदान होता है। बुटा कटाई के गुणवत्तापूर्वक करने के पश्चात ही अच्छे तेंदूपत्ता प्राप्त होते है। इस अवसर पर करणदेव सदस्य जीव जंतु बोर्ड ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित इस योजना का लाभ लेकर लोग आर्थिक रूप से सशक्त बन रहे है। इस तेंदुपत्ता संग्रहण योजना से प्राप्त आय से अपने परिवार के भरण पोषण करने में सक्षम हो रहे है। साथ ही उन्होंने शाख कटाई को गुणवत्तापूर्वक करने को कि लोगों से अपील की। राज्य शासन के योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

होनहार छात्र सूरज बनेगा डॉक्टर, मुख्यमंत्री की मंशाअनुरूप मिली आर्थिक मदद

रायपुर। गरीब परिवार का होनहार छात्र अब एमबीबीएस की पढ़ाई कर सकेगा। डीएमएफकी राशि से सूरजपुर जिले के सूरज साय की पढ़ाई-लिखाई का इंतजाम किया गया है। उनका जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में दाखिला हुआ है। उनकी पढ़ाई-लिखाई का पूरा खर्च डीएमएफकी राशि से हर साल वहन किया जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप गरीब परिवारों के बच्चों को डीएमएफमद से इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सूरज साय का एडमिशन जगदलपुर के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए दाखिला लिया है। अत्यंत गरीब और आर्थिक कठिनाईयों के फलस्वरूप उसका परिवार मेडिकल कॉलेज का फीस देने में असमर्थ था। इस बात की जानकारी जिला प्रशासन तक पहुंचने पर उन्हें तत्काल आर्थिक मदद की व्यवस्था की गई। डीएमएफमद से मेडिकल कॉलेज की फीस का इंतजाम किया गया है, इससे सूरज और उसके परिवार का सपना पूरा होने जा रहा है। छात्र सूरज कुमार साय ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और जिला प्रशासन सूरजपुर का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मैं बहुत ही गरीब परिवार का छात्र हूं मेरा परिवार मजदूरी कर जीवन यापन करता है। मेरे पिता कर्ज लेकर मुझे पढ़ाने के लिए जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाया है लेकिन उच्च शिक्षा का शुल्क देना संभव नहीं हो पा रहा था, मेरी माता श्रीमती सरोज देवी ने कलेक्टर सूरजपुर को आवेदन प्रस्तुत कर मेरी पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की थी। कलेक्टर द्वारा इस पर त्वरित पहल करते हुए आर्थिक सहायता राशि मंजूर की।

मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 8 करोड़ 63 लाख रूपए की राशि का किया अंतरण

गोबर से बने उत्पाद की पहुंच आमजनों तक हुईः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से गोधन न्याय योजना अंतर्गत पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को 8 करोड़ 63 लाख रूपए की राशि ऑनलाईन जारी की। इस योजना के हितग्राहियों को अब तक 412.19 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। इसके साथ ही इस योजना के शुरू होने से अब तक कुल 105 लाख 63 हजार क्विंटल गोबर की खरीदी की जा चुकी है।

इसके एवज में गोबर विक्रेताओं को आज 4.76 करोड़ रूपए के भुगतान के बाद 211 करोड़ 25 लाख रूपए की राशि प्रदान कर दी गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गौपालकों, पशुपालकों, महिला समूहों तथा गौठान समितियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना से लाभान्वित पशुपालकों में 59 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और गोबर खरीदी में 85 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल हमने शिवाजी की मूर्ति का अनावरण किया, वह मूर्ति प्राकृतिक पेंट द्वारा पोताई की गई थी, यह अच्छी बात है कि गोबर से बनाए पेंट का आमजनता द्वारा उपयोग किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अंतरित की जा रही कुल राशि में से 04 करोड़ 76 लाख रुपए का भुगतान गोबर खरीदी के एवज में की गई। इसमें से 02 करोड़ 6 लाख रुपए की राशि विभाग द्वारा और 02 करोड़ 70 लाख रुपए की राशि स्वावलंबी गौठानों द्वारा भुगतान की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में कुल 10 हजार 732 गौठान स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 09 हजार 720 निर्मित होकर संचालित हो रहे हैं, इसका मतलब यह है कि स्वीकृत गौठानों में से 91 प्रतिशत गौठानों का निर्माण पूरा हो चुका है। 07 प्रतिशत गौठानों का निर्माण तेजी से चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोधन न्याय योजना पूरी सफलता के साथ आगे बढ़ रही है। इससे अनेकों हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं। गोबर से पेंट बनाने के लिए 21 जिलों में 45 इकाई स्वीकृत हुई हैं, इनमें से 13 इकाईयां प्रारंभ हो चुकी हैं। शेष 32 यूनिट का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। अभी तक 30 हजार 218 लीटर पेंट का उत्पादन हो चुका है। इनमें से 14 हजार 358 लीटर पेंट का विक्रय हो चुका है। इससे 29 लाख 16 हजार 300 रूपए की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि 99 गौठानों में गौमूत्र की खरीदी की जा रही है। अभी तक 01 लाख 33 हजार 484 लीटर गौमूत्र की खरीदी की जा चुकी है। इसका मूल्य 05 लाख 37 हजार 936 रूपए है। गौमूत्र से ब्रम्हास्त्र कीट नियंत्रक और जीवामृत वृद्धि वर्धक के निर्माण तथा विक्रय से अब तक 28 लाख 96 हजार 845 रूपए की आय हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी में स्वावलंबी गौठान बराबर की भागीदारी निभाने लगे हैं। बीते कई पखवाड़ों से गोबर खरीदी के एवज में भुगतान की जा रही राशि में स्वावलंबी गौठानों की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत तक रहने लगी है।

आज की स्थिति में 50 फीसद से अधिक गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं, जो स्वयं की राशि से गोबर एवं गौमूत्र की खरीदी के साथ-साथ गौठान के अन्य व्यय की राशि अपनी पूंजी से कर रहे हैं। इस अवसर पर कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार प्रदीप शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, सचिव डॉ. अयाज तम्बोली तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़वा देने राज्य में लागू होगी मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना

मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजनांतर्गत 5 वर्षो में 1 लाख 80 हजार एकड़ में 15 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़वा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना लागू किये जाने की घोषणा उपरान्त छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना की क्रियान्वयन की तैयारी में वन विभाग जुट गया है। वन विभाग द्वारा अब तक 19 हजार से अधिक हितग्राहियो के लगभग 30 हजार एकड़ निजी भूमि में वृक्षारोपण हेतु पंजीयन किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में वृक्षों के व्यवसायिक उपयोग को बढ़ावा देने की अपार संभानाओं को देखते हुए यह योजना को लागू किए जाने की घोषणा की है।

इस योजनांतर्गत कृषको की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषको की सहमति पर उनके भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण किया जाना है। मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजनांतर्गत 5 वर्षो में 1 लाख 80 हजार एकड़ में 15 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्यमुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना अंतर्गत किसान, इच्छुक भूमि स्वामी, शासकीय, अर्ध शासकीय एवं शासन के स्वायत्त संस्थाएं, निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, पंचायत तथा भूमि अनुबंध धारक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। राज्य शासन द्वारा 1 वर्ष में 36 हजार एकड़ तथा 5 वर्षो में 1 लाख 80 हजार एकड़ क्षेत्रफल में कुल 15 करोड़ वृक्षारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है।इस योजनांतर्गत राज्य शासन द्वारा 5 एकड़ तक वृक्षारोपण हेतु 100 प्रतिशत अनुदान तथा 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान देगी। चिन्हित वृक्ष प्रजातियों की खरीदी हेतु न्यूनतम क्रय मूल्य का निर्धारण भी शासन द्वारा किया जाएगा। 5 वर्षो में रोपित सभी प्रजातियो के वृक्ष परिपक्व होने पर उनका मूल्य 10 हजार करोड़ रुपये होने की सम्भावना है। इस योजना से किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 15 हजार से 50 हजार तक आय सम्भावित है। इसके अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट के माध्यम से भी किसानों को अतिरिक्त आय होगी। इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजय शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजनांतर्गत राज्य में इस वर्ष 12 प्रकार के प्रजाति के वृक्ष का 30 हजार एकड़ रकबे में रोपण किया जाएगा।

इनमें से क्लोनल यूकलिप्टस का 17 हजार 182 एकड़ में, रूटशूट टीक का 6 हजार 456 एकड़ में, टिश्यू कल्चर का 2 हजार 617 एकड़ में, चंदन का 1 हजार 462 एकड़ में, मेलिया दुबिया का 8 सौ 34 एकड़ में, सामान्य बांस का 7 सौ 37 एकड़ में, टिश्यू कल्चर बम्बू का 6 सौ 7 एकड़ में, रक्त चंदन का 1 सौ 26 एकड़ में, आमला का 43 एकड़ में, खमार का 40 एकड़ में, शीशम का 20 एकड़ में तथा महानीम का 20 एकड़ रकबे में लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रशासन तुंहर द्वार के हर आवेदन के निराकरण पर हो रहा कार्य, हर आवेदनों के निराकरण को स्वयं देख रहे कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रशासन तुंहर द्वार अभियान अंतर्गत जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में और नगरीय निकायों में शिविर के माध्यम से जनसमस्या दूर करने का कार्य चल रहा है। इन शिविरों की खासियत यह है कि शिविर में आने वाले सभी आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। हर आवेदन कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा स्वयं देख रहे हैं। हर सप्ताह होने वाली समीक्षा बैठक में इनके निराकरण की स्थिति पर समीक्षा की जा रही है। आवेदनों के निराकरण का स्तर गुणवत्तापूर्ण हो, इसके लिए आवेदनों के विभागीय अधिकारियों के निराकरण के बाद इसे एसडीएम देख रहे हैं और अंतिम रूप से कलेक्टर। इस संबंध में आयोजित किये जाने वाले जिला स्तरीय शिविरों में कलेक्टर स्वयं जाकर आवेदनों के निराकरण की प्रकृति देख रहे हैं।

हफ्ते भर पहले होती है मुनादी, उस दिन भी लिये जाते हैं आवेदन- जिन गाँवों में प्रशासन तुंहर द्वार अंतर्गत शिविर का आयोजन होना होता है वहां पूर्व से ही मुनादी कराई जाती है। ग्रामीण शिविर से सप्ताह भर पहले आवेदन दे देते हैं इनका निराकरण शिविर लगने से पूर्व ही कर दिया जाता है और मंच से ही सभी आवेदनों के निराकरण के लिए की गई कार्रवाई की जानकारी दे दी जाती है। शिविर के दिन भी आवेदन लिये जाते हैं।

प्रशासन तुंहर द्वार अंतर्गत हर महीने जिला स्तर पर और ब्लाक स्तर पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अब तक 9 शिविरों में सवा दो हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं। हर एक आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण की स्थिति परखी जा रही है और इसके लिए नियमित रूप से समीक्षा बैठक हो रही है। सारे आवेदन वेबसाइट में अपलोड किये जाते हैं और समीक्षा बैठक में एक-एक आवेदनों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की जाती है ताकि आवेदक पूरी तरह से संतुष्ट हो सकें। जिला एवं ब्लाक स्तरीय आवेदन ग्रामीण क्षेत्र में तो लगाये ही जा रहे हैं।

तहसीलवार आवेदन भी आयोजित किये जा रहे हैं। धमधा एसडीएम बृजेश क्षत्रिय ने बताया कि अभी तक उनके अनुविभाग में तहसीलवार प्रशासन तुंहर द्वार का आयोजन हो रहा है। अभी तक धमधा तहसील में लगाये गये शिविर में 193 आवेदन, अहिवारा में 378 और बोरी तहसील में 40 आवेदन आए जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण किया गया।

शिविर के माध्यम से किया जा रहा है शासन की योजनाओं का प्रचार-प्रसार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कलेक्टर रजत बंसल के निर्देश पर जनसंपर्क विभाग द्वारा राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी कला जत्था एवं फोटो प्रदर्शनी सह सूचना शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को दिया जा रहा हैं। इसके तहत आज बलौदाबाजार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंडरिया,सरखोर,करदा में कला जत्था के माध्यम से एवं भाटापारा शहर एवं ग्राम पंचायत बोरसी में फोटो प्रदर्शनी सह सूचना शिविर का आयोजन किया गया। कला जत्था द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों में किए जा रहे कार्यक्रम का बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। लोगों द्वारा गौधन पर आधारित गाना को बेहद पसंद कर रहे है। कलेक्टर रजत बंसल के मार्गदर्शन में जनसंपर्क विभाग के द्वारा जिले के सभी विकासखंडों के 100 चिन्हांकित किए गांवों और साप्ताहिक हाट-बाजार में कला जत्था की टीम शासकीय योजनाओं पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे है। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार सामाग्री का वितरण भी किया जा रहा है। मैदानी जिलों में लगभग 5-6 वर्ष के बाद कला जत्था के माध्यम से गांवों में शासकीय योजनाओं को प्रचार- प्रसार स्थानीय कलाकारों के माध्यम से दी जा रही है। कल्याण समिति मंदिर हसौद एवं आरोग्य समिति के द्वारा विभिन्न गांवों में प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है।

गोधन एम्पोरियम : महिलाओं का नया बिजनेस आइडिया

अम्बिकापुर में गोबर से निर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए खुला एक्सक्लूसिव शोरूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। अम्बिकापुर की महिलाओं ने नया बिजनेस आइडिया अपनाते हुए गोबर से निर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए अंबिकापुर में एक्सक्लूसिव शोरूम शुरू किया है। इसे गोधन एम्पोरियम का नाम दिया गया है। इस एम्पोरियम में वर्मी कम्पोस्ट के साथ-साथ गौ काष्ठ, अगरबत्ती, कण्डा और गोबर से निर्मित पेंट की बिक्री की जा रही है। अम्बिकापुर शहर के मुख्य चौराहे पर पिछले तीन साल से यह एम्पोरियम सफलतापूर्वक संचालित है।

इस एम्पोरियम के संचालन का जिम्मा महिलाओं के हाथों में है। गोधन एम्पोरियम में काम करने वाली महिलाओं को अब तक लगभग 12 लाख से अधिक की आमदनी हुई है।

किसी छोटे शॉपिंग मॉल जैसे दिखने वाले इस अनोखे एम्पोरियम में पूजा-पाठ, हवन आदि के लिए अंबिकापुर शहर के लोग गौ काष्ठ, अगरबत्ती खरीदते हैं। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में लिट्टी-चोखा के शौकिन गोबर के कंडे यहां से खरीदीकर लिट्टी-चोखा तैयार करते हैं। वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग शहरी क्षेत्र के लोग घरों के गमलों के साथ ही अन्य बागवानी कार्यों के लिए कर रहे हैं। गोबर पेंट में तापमान को रोकने की क्षमता के कारण यहां इसकी बिक्री भी हो रही है। इस एम्पोरियम की लोकप्रियता लगातार बढ़ते जा रही है। वर्तमान में यहां प्रतिदिन 40 से 60 ग्राहक का आना-जाना होता है। गोबर के उत्पादों की लोकप्रियता को देखते हुए यहां और भी बिक्री बढ़ने की संभावना है।

गोधन एम्पोरियम से अब तक तीन वर्षों में कुल 12 लाख 49 हजार रूपए की आमदनी हो चुकी है। वर्ष 2020-21 में 4 लाख 50 हजार, वर्ष 2021-22 में 4 लाख 87 हजार और वर्ष 2022-23 में 3 लाख 12 हजार रूपए की आय हुई है। यहां कार्यरत महिला सदस्यों ने बताया कि यहां से हर महीने समूह की महिलाएं एम्पोरियम से लगभग 40 हजार रूपए कमा रही हैं। यहां गौठान महिला समूह की दो महिला सदस्य बारी-बारी से तैनात रहती हैं। अन्य दुकानों की तरह सप्ताह में एक दिन मंगलवार को एम्पोरियम में अवकाश भी रहता है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने बताया कि गोधन एम्पोरियम के जरिये एक छत में गोधन के उत्पाद लोगो को मिल रही है तथा समूह की महिलाओं को भी रोजगार म रहा है। एम्पोरियम में गोधन उत्पादो की श्रृंखला बढ़ते जाएगी। यह एम्पोरियम अम्बिकापुर शहरी गौठान का हिस्सा है। इसे गौठान से जुड़ी महिला समूह ही संचालित करती है, समूह की महिलाएं अम्बिकापुर सिटी लेवल फेडरेशन की सदस्य हैं, यह फेडरेशन अम्बिकापुर शहर में स्वच्छता के लिए काम कर रहा है। अब यहां गोबर से पेन्ट बनाने और दोना पत्तल तैयार करने की यूनिट भी शुरू कर दी गई है। गौठान समूहों की सदस्यों को लाभांश के रूप में हर माह 6 से 7 हजार रूपए मिल जाता है।

अम्बिकापुर सिटी लेवल फेडरेशन की अध्यक्ष श्रीमती शशिकला सिन्हा कहती हैं कि यह हमारे लिए अद्भूत अनुभव है कि हमने अभी तक अनाज, कपड़े तथा अन्य वस्तुओं के शोरूम के बारे में सुना था मगर यह नहीं सोचा था कि हम अम्बिकापुर शहर के मुख्य चौराहे में आधुनिक साज-सज्जा से युक्त ऐसी दुकान चलाएंगे, जहां गोबर से बने उत्पाद बेचे जाएंगे।

खास खबर

हाइवा व स्कार्पियो आपस में भिड़ी 9 लोग बाल-बाल बचे

बालोद (ए)। जिला मुख्यालय से 5 किमी दूर झलमला पेट्रोल पंप के पास मुख्य मार्ग पर हाईवा और स्कार्पियो में टक्कर हो गई। स्कार्पियो में ड्राइवर सहित कुल 9 लोग सवार थे। जो बाल-बाल बचे। जोरातराई राजनांदगांव निवासी सोनकुमार साहू ने बताया कि रविवार को स्कार्पियो वाहन से झलमला मंदिर दर्शन करने आए थे। जिसके बाद गुंडरदेही जा रहे थे। इसी दौरान पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे हाइवा चालक ने टक्कर मार दी। जिससे स्कार्पियों के दाहिना साइड क्षतिग्रस्त हो गया है।

वाहन में सवार सभी लोग बाल-बाल बचे। इस मामले में हाईवा वाहन चालक के खिलाफ बालोद थाने में धारा 279 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार अगर हाइवा की स्पीड ज्यादा रहती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

लड़की से बात करने पर युवक को बेल्ट से पीटा, अपराध दर्ज

बालोद (ए)। ग्राम बोड़की में पानी टंकी के पास लड़की से बात करने पर चार लोगों ने ग्राम नर्राटोला निवासी संदीप कुमार चुरेन्द्र की पिटाई कर दी। संदीप ने बताया कि रविवार को पानी टंकी के पास जान पहचान होने से एक लड़की से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान मनीष मण्डावी, प्रवीण राणा, नितेश साहू व सोहन साहू पहुंचे और लड़की से क्यों बात कर रहे हो कहकर गाली गलौज कर हाथ मुक्का व बेल्ट से मारपीट की। दादा दशरथ लाल ठाकुर एवं पुरानिक नायक व अन्य लोगों ने बीच बचाव किया। इस मामले में मनीष मण्डावी, प्रवीण राणा, नितेश साहू, सोहन साहू के खिलाफ बालोद थाने में धारा 294, 323, 34, 506 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

गोदाम से चावल चोरी करते हुए चौकीदार को ग्रामीणों ने पकड़ा

बालोद (ए)। जगतरा के वेयर हाउस (एफसीआई गोदाम) में रविवार रात 12 बजे चावल की चोरी कर गाड़ी में लोडिंग कर रहे चौकीदार को ग्रामीणों ने पकड़ा। इस दौरान कई कर्मचारी फरार हो गए। जिसके बाद घटना की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दिया। जानकारी के अनुसार 50 कट्टा चावल की चोरी करने की प्लानिंग थी। जिसमें 6 कट्टा को गाड़ी में लोड कर चुके थे। गांव में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। इस दौरान कुछ युवक ने गोदाम के अंदर गाड़ी जाते देखा था। जिसके बाद युवकों ने ग्रामीणों को सूचना दी। गोदाम में पहुंचे तब चौकीदार चावल की लोडिंग कर रहा था। बालोद पुलिस के अनुसार मौके पर जब पहुंचे तो सिर्फ एक आरोपी मिला। बाकी कौन-कौन संलिप्त थे, इसकी जानकारी कोई नहीं दे पा रहा है। आरोपी चौकीदार को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ जारी है।

पुलिस की कार्रवाईः राजनांदगांव में 180 पेटी अवैध शराब जब्त, तस्कर गिरफ्तार

भिलाई। क्राइम ब्रांच की टीम ने रविवार रात सिविक सेंटर में चाय पीते शराब तस्कर रवि शंकर उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया। आरोपी शांति नगर का रहने वाला है। आरोपी को राजनांदगांव पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस के मुताबिक 18 फरवरी को राजनांदगांव की डोंगरगांव और सोमनी पुलिस ने 180 पेटी शराब जब्त की थी।

गाड़ियों में शराब लेकर जा रहे रोहित बाबर, आमिर खान, आकाश लोखंडे और मनोज काडे को गिरफ्तार किया गया था। चारों आरोपी नागपुर से शराब लेकर भिलाई आ रहे थे। चारों ने पूछताछ में बताया कि भिलाई के शराब तस्कर रविशंकर को शराब की डिलीवरी देनी थी। इसके बाद से पुलिस रविशंकर की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना में क्राइम ब्रांच ने उसे सिविक सेंटर में पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी नागपुर से शराब मंगाकर रायपुर के किसी शिवम डहेरिया को सप्लाई करता था।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में बड़ा हादसा

अयोध्या से आ रही यात्री बस पलटी, 13 यात्री घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में मंगलवार सुबह-सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां पर अयोध्या से आ रही यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बताया जा रहा है कि सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक से बचने के चक्कर में बस अनियंत्रित हुई और सड़क के दूसरी ओर पलट गई। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची। हालांकि हादसे में किसी की जान नहीं गई लेकिन 13 यात्री घायल हो गए। घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यात्री में 60 से 70 यात्री सवार होने की बात कही जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर लालपुर गांव के पास मंदपुर में यह हादसा हुआ। हादसा सुबह 5 बजे के आसपास का बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रक से बचने के चक्कर में बस पलट गई। बस के पलटते ही यहां चीख पुकार मच गई थी। आसपास के गांव के लोगों ने बस से यात्रियों को बाहर निकला और पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद बस चालक वहां से भाग गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार बस में 60 से अधिक यात्री सवार हैं और सभी अयोध्या से लौट रहे थे। हादसे में कुल 13 लोग घायल हुए हैं जिनमें बस कंडक्टर व एक बच्चे की हालत गंभीर है। हादसे के बाद बस का चालक फरार हो गया है उसकी तलाश की जा रही है। शेष बचे यात्रियों को दूसरी बस से उनके घर भेजने की व्यवस्था पुलिस व जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है।

बीजापुर में जवान की हत्या कुल्हाड़ी से किया गया वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जवान की कुल्हाडी मारकर हत्या कर दी गई। मृतक जवान रविवार को अपने भाई की शादी में शामिल होने बीजापुर पहुंचा था। रविवार व सोमवार दरमियानी रात को उसकी हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह खून से लथपथ उसकी लाश मिली। उस पर कुल्हाड़ी से कई वार किए गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और शव को पीएम के लिए भेजा। आशंका जताई जा रही है कि जवान की नक्सलियों ने हत्या की होगी हालांकि मौके से किसी भी तरह का कोई पर्चा नहीं मिला है।

बीजापुर जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत जवान की हत्या कर दी गई। मृतक जवान का नाम पन्नी वेट्टी बताया जा रहा है। पन्नी वेट्टी बीजापुर का रहने वाला था और दंतेवाड़ा में हवलदार के पद पर पदस्थ था। रविवार को वह बीजापुर के बेलचर गांव अपने भाई की शादि में शामिल होने पहुंचा था। रविवार रात को उसकी हत्या कर दी गई। फिलहाल पुलिस यह बताने की स्थिति में नहीं है कि हवलदार की हत्या नक्सलियों ने की या किसी और ने। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

40 फीट ऊंची टंकी पर शर्ट का फंदा बनाकर झूल गया युवक

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने 40 फीट ऊंची टंकी पर चढ़कर अपने शर्ट का फंदा बनाया और फांसी पर झूल गया। सोमवार सुबह टंकी पर लटकी लाश देखकर गांव में हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को किसी तरह से टंकी से उतरवाया और पीएम के लिए भेज दिया गया है। युवक की आत्महत्या का कारण अज्ञात बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार जिले के जमगहन निवासी गनेंद्र साहू (29) रविवार को अपने एक रिश्तेदार के घर पर छठी कार्यक्रम में गया था। कार्यक्रम के बाद वह अपने रिश्तेदारों के साथ पिकअप में सवार होकर वापस घर लौट रहा था। रास्ते में वह पिकअप से उतर गया। रिश्तेदारों को बताया कि कुछ काम याद आ गया है तो वह अपनी दीदी के घर पर जा रहा है। इसके बाद सोमवार सुबह लोगों ने टंकी पर उसकी लटकती हुई लाश देखी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि युवक ने आखिर खुदकुशी क्यों की थी।

रायपुर से लौट रही थी बारातः ट्रक को ओवरटेक कर सड़क किनारे खड़े टैंकर से जा टकराई कार, 6 बाराती गंभीर

बेमेतरा (ए)। जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर ग्राम जेवरा के धान खरीदी केन्द्र के पास बाराती वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार 8 लोग घायल हो गए। इनमें 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना रविवार रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ लग गई। बीते 7 महीने में 5 लोगों की मौत इस स्थान पर हो चुकी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बेमेतरा से 5 किमी दूर ग्राम तेलईकुड़ा के वर्मा परिवार में शादी हो रही है। वर्मा परिवार के रिश्तेदार व दोस्त अलग अलग वाहनों से रविवार को रायपुर बारात गए हुए थे। रात में ही ज्यादातर बाराती लौटने लगे थे, दौरान ग्राम जेवरा में धान खरीदी केन्द्र के सामने सड़क किनारे खड़ी टैंकर वाहन से तेज रफ्तार एर्टिगा कार टकरा गई। हादसे में कार में बैठे 8 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बाराती वाहन सामने चल रहे ट्रक को ओवरटेक कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा था। तभी सड़क किनारे खड़े टैंकर से एर्टिगा

कार टकरा गई। वहां से गुजर रहे राजनांदगांव के पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने अपने फॉलो वाहन के जरिए सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजवाए।

रायपुर रेफर किया गया

हादसे में 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिला अस्पताल के डॉक्टर ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किए, लेकिन ज्यादातर घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए रायपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बेमेतरा की पुलिस टीम दल बल के साथ घटना स्थल पहुंची। जहां यातायात व्यवस्था बनाने में लगी रही। घटना के चलते दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई थी। पुलिस की टीम ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने में जुट गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर से टकराने के बाद कार 100 फीट दूर बीच सड़क पर पलट गई। हादसे में वाहन एर्टिगा कार के सामने का हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। चालक व सामने बैठे बाराती सामने के हिस्से में फंस गए थे। जिन्हें आधे घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। बीच सड़क पर पलटी कार को ग्रामीणों व पुलिस की मदद से सड़क किनारे हटाया गया। तब कहीं जाकर यातायात व्यवस्था शुरू हो पाई।

हादसे में ये लोग हुए घायल

8 घायलों में अश्विनी सोनी पिता बुधराम सोनी (45) बेमेतरा, सुमन वर्मा पिता सुखदेव सिंह (35) वार्ड 20 गोटियापारा, लोचन सिंह वर्मा पिता भूखन (46) वार्ड 20 बेमेतरा, डोमार वर्मा पिता हुकुम सिंह (53) वार्ड 20 बेमेतरा, अमिताभ वर्मा पिता कपिल वर्मा (40) वार्ड 19 बेमेतरा, राजा वर्मा पिता लोक सिंह वर्मा (35) वार्ड 19 बेमेतरा, प्रेम किशोर उर्फ सोनू वर्मा पिता दयालु वर्मा (25) गोड़गिरी, अजय वर्मा पिता रोशन वर्मा (36) वार्ड 20 बेमेतरा शामिल है।

युवक ने छेड़खानी करने से किया मना, सफाईकर्मी ने सर्जिकल ब्लेड से कर दिया हमला

रायपुर (ए)। आमानाका थाना क्षेत्र स्थित एम्स अस्पताल के मर्च्युरी के पास एक सफाई कर्मचारी ने एक युवक पर सर्जिकल ब्लेड से हमला कर दिया। एम्स के परिचारक ने सफाई कर्मी को लड़कियों से छेड़खानी नहीं करने की समझाइश दी, इस बात से नाराज सफाई कर्मी ने परिचारक के भांजे के गाल और गर्दन पास सर्जिकल ब्लेड से वार कर दिया। जिसके बाद घायल युवक को उपचार के लिए एम्स में भर्ती करवाया गया।

आमानाका पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कुकुरबेड़ा समुदायिक भवन के पास रहने वाले दिवाकर सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। वो एम्स में परिचारक का काम करता है। दरअसल, 19 फरवरी की दोपहर तकरीबन 3.30 बजे अस्पताल के सफाई कर्मचारी नरांतक कोठारी मर्च्युरी के पास लड़कियों से छेड़खानी कर रहा था। जिसके बाद परिचारक ने सफाई कर्मचारी से ऐसा न करने की बात कही और उसका विरोध किया। प्रार्थी ने सफाईकर्मी से कहा कि लड़कियों से छेड़खानी क्यों करते हो, ऐसा करने से अस्पताल की छवि खराब होती है। इसी बात पर सफाईकर्मी नरांतक कोठारी ने दिवाकर से गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। वहीं उसके पास खड़े प्रार्थी के भांजे गगन छुरा को यहां से हटो कहते हुए सर्जिकल ब्लेड से बांए गाल और गर्दन के पास मार दिया।

करता था बदतमीजी

प्रार्थी दिवाकर सोनी ने बताया कि उसे शिकायत मिली थी कि फोन नहीं रिसीव करने पर आरोपित ने ड्यूटी में तैनात एक महिला कर्मी से उसे कार्यस्थल पर जाकर बदतमीजी से बातचीत की थी। इस पर उसे फोन आया कि संबंधित सफाई कर्मी को समझाया जाए। वहीं सभी के साथ उचित व्यवहार करे। इसी वजह से वह नरांतक को समझा रहा था। इससे वह भड़क गया।

शराब पीने के लिए घर पर रखा धान बेच देता था पिता, नाराज बेटे ने डंडे से पीट-पीटकर कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुत्र ने पिता की हत्या कर दी। घटना शनिवार रात की है। दरअसल पिता शराब का इतना आदी था कि इसके लिए घर पर धान तक बेच देता था। बेटे व उसकी पत्नी ने कई बार समझाया लेकिन वह नहीं माना। 18 फरवरी को पिता पुत्र के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ और पुत्र ने लाठी व डंडे से पीट-पीटकर अपने पिता की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जिले के सन्ना थाना क्षेत्र का है।

सन्ना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गीधा ग्राम निवासी अनिल राम (48) शराब पीने का आदी था। अनिल राम घर में पैसा नहीं होने से घर में रखे धान को बेचकर शराब पीता था। इसके लिए उसका बेटा रोशन राम व उसकी मां अक्सर

मना करते थे। 18 फरवरी की शाम को रोशन राम अपने पिता अनिल राम से इसी बात को लेकर विवाद कर रहा था। विवाद बढ़ गया तो रोशन राम ने डंडे से अपने पिता की बेदम पिटाई कर दी।

पिटाई से अनिल राम को काफी चोटें आई जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव में दबिश दी और रोशन राम को गिरफ्तार कर लिया। रोशन राम अपने घर पर ही छिपा हुआ था। वहीं पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। इस पूरी कार्रवाई में सन्ना थाना प्रभारी निरीक्षक राठिया, एएसआई साहू, आरक्षक विमल मिंज, शिवशंकर राम, प्रदीप पांडेय व सुरेश राम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शादी का प्रलोभन देकर युवती से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

भिलाई। नंदिनी पुलिस ने सोमवार को युवती से शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी रूप सिंह निषाद को बेमेतरा से गिरफ्तार किया है। इसके बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक रविवार को 22 वर्षीय पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ शिकायत की। इस पर आरोपी के खिलाफ धारा 376 और 509 के तहत केस दर्ज किया गया था।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2013 में आरोपी से एक शादी कार्यक्रम में मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। वर्ष 2016 से 2021 के बीच आरोपी ने शादी करने झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने उससे शादी करने से मना कर दिया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

सड़क घेरकर बना लिया था शौचालय, निगम ने की कार्रवाई, शौचालय तोड़कर कराया रास्ता साफ

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत कुरूद बस्ती में अशोक नामक व्यक्ति के द्वारा सड़क को घेरकर शौचालय का निर्माण कर लिया गया था। इसकी शिकायत निगम को प्राप्त हुई थी। इस मामले में निगम के अधिकारियों ने मौके पर निरीक्षण भी किया था। शिकायत सही पाए जाने पर शौचालय को सड़क से हटाने के लिए नोटिस भी जारी हुआ था। एक नोटिस देने के बाद भी शौचालय नहीं हटाने पर दूसरा नोटिस जारी किया गया। 2 नोटिस मिलने के बावजूद शौचालय नहीं हटाया गया और न हीं निर्माण कर्ता ने नोटिस का कोई जवाब दिया। इस पर निगम प्रशासन, वैशाली नगर जोन क्रमांक 2 के राजस्व विभाग की टीम आज जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची और सड़क बाधा कर बनाए गए शौचालय को तोड़ने की कार्रवाई की। शौचालय सड़क पर बने होने के कारण राहगीरों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसको देखते हुए कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि अवैध अतिक्रमण, अवैध निर्माण एवं अवैध प्लाटिंग को लेकर निगमायुक्त रोहित व्यास ने सख्त कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इसके परिपालन में कार्रवाई की जा रही है।

जनदर्शन में प्राप्त हुए कुल 108 आवेदन

दुर्ग। रसमड़ा दुर्ग की निवासी श्रीमती केजा बाई साहू उम्र 80 वर्ष की वृद्ध महिला ने आज कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा को जनदर्शन में अपनी आप बीती सुनाते हुए बताया कि उनके सौतेले बेटे ने धोखाधड़ी कर मकान एवं अन्य संपत्ति को अपने नाम पर एवं बुर्जुग महिला से मारपीट करने की बात बताई। कलेक्टर ने इस घटना को संज्ञान में लेते हुए बुजुर्ग महिला के आवेदन पर एसडीएम दुर्ग को भरण पोषण अधिनियम धारा के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम समोदा निवासी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि वह खसरा क्रमांक 322 में सब्जी उत्पादन कर जीवन यापन कर रहे हैं। पास की भूमि में तालाब बनाया गया है, लेकिन पास की भूमि में निकासी नही बनाई गई है, जिसके कारण प्रतिवर्ष बारिश के मौसम में नुकसान हो जाता है। इस पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत को निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत अंजोरा के समस्त ग्रामवासियां ने सामूहिक रूप से आवेदन दिया, जिसमें उन्होंने बताया कि गांव में एक बोर पाईपलाइन है।

नियुक्ति तिथि से पेंशन के लिए शिक्षक मोर्चा के जिला स्तरीय धरना में शामिल हुए सैंकड़ों शिक्षक

दुर्ग। पूर्व सेवा गणना शिक्षक मोर्चा जिला दुर्ग द्वारा आज हिंदी भवन दुर्ग के सामने जिलास्तरीय एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल को रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा गया। सोमवार को जिला संचालक शत्रुहन साहू,चन्द्रशेखर तिवारी, संजीव मानिकपुरी के नेतृत्व में हजारों की संख्या में पूरे दुर्ग जिले के शिक्षक उपस्थित हुए। मोर्चा द्वारा पूरे प्रदेश में अपने 4 सूत्रीय मांग जिसमे पूर्वसेवा (शिक्षाकर्मी के पद प्रथम नियुक्ति) के आधार पर पुरानी पेंशन हेतु कुल सेवा की गणना की जावे। पेंशन निर्धारण हेतु अहरकारी सेवा को केंद्र सरकार की तरह 33 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष किया जावे। सहायक शिक्षकों के वेतन विसंगति को दूर किया जावे । पूर्व सेवा अवधि प्रथम नियुक्ति तिथि के आधार पर जन घोषणा पत्र के अनुसार क्रमोन्नति वेतनमान प्रदान की जावे । उनको पुरानी पेंशन हेतु पात्र ही नही माना जा रहा है क्योंकि शासन ने उनको संविलियन तिथि से सेवा गणना करने का आदेश जारी किया है जिसके कारण से बहुत सारे शिक्षक पुरानी पेंशन से वंचित हो रहे है।

अब बदलेगा भिलाई निगम में सफाई ठेका

सामान्य सभा की बैठक में लगी मुहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में अब सफाई ठेका बदल जाएगा। सोमवार को नगर निगम भिलाई में हुई सामान्य सभा में सफाई ठेका संबंधी प्रस्ताव के बहुमत के आधार पर पारित कर दिया गया है। इसके साथ ही अब भिलाई निगम के तहत आने वाले वार्डों में स्कोप ऑफवर्क के अंतर्गत नाली, सड़क, बाजार एवं तीपहिए रिक्शा/ई-रिक्शा से आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्र में डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य तथा अन्य कार्य के लिए कार्य लिए नया ठेका होगा।

सामान्य सभा की बैठक में महापौर नीरज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू, एमआईसी मेंबर तथा पार्षदों की उपस्थिति में यह प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान विपक्ष के पार्षद वर्तमान ठेका एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग करते रहे। सामान्य सभा की बैठक में निगम आयुक्त रोहित व्यास तथा अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। बता दें सोमवार को सामान्य सभा की बैठक निर्धारित समय से एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। देरी के कारण भाजपा पार्षदों ने प्रदर्शन भी किया। इसके बाद शुरू हुई सामान्य सभा की बैठक में निगम क्षेत्र में सफाई ठेका बदलने का प्रस्ताव रखा गया। इस पर भाजपा पार्षदों ने पुरानी एजेंसी के खिलाफएफआईआर करने की मांग की। पार्षद दया सिंह, पीयूष मिश्रा, रिकेश सेन आदि का कहना था कि रिसाली निगम में सफाई ठेकेदार पीवी रमन का ठेका निरस्त कर थाने में शिकायत कराई गई है। भिलाई निगम में भी ठेका उसी एजेंसी के पास है तो उस पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। इस मुद्दे को लेकर सामान्य सभा की बैठक में काफी हंगामा हुआ। सामान्य सभा की बैठक देरी से शुरू होने को लेकर भी भाजपा पार्षदों ने हंगामा किया। हंगामे के बीच सामान्य सभा में सफाई संबंधी प्रस्ताव पारित हो गया।

परीक्षाओं को देखते हुए कलेक्टर ने लगाया डीजे व साउंड सिस्टम पर बैन, 30 जून तक रहेगा प्रतिबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। इन दिनों परीक्षाओं का सीजन शुरू हो गया है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने ध्वनिविस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जिले में इसे 30 जून 2023 तक के लिए निर्धारित सीमा से अधिक होने पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया गया है। धार्मिक त्यौहारों, संस्कारों, शादी, उत्सव, चुनाव प्रचार इत्यादि के अवसर पर आवश्यक होने पर अनुमति संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी, जिला-दुर्ग द्वारा निम्न शर्तो के अधीन दी जाएगी।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग धीमी स्वर में किया जाए। किसी निजी उपयोग के स्थान की सीमा या किसी व्यक्ति द्वारा अपने निजी यन्त्रों का उपयोग किया जा रहा है, तो उसकी सीमा उस क्षेत्र के लिये निर्धारित परिवेशीय वायु गुणवत्ता सीमा से 5 डी.बी. (ए) से अधिक नहीं होना चाहिये। लाऊड स्पीकर या ध्वनि विस्तारक यंत्र या ध्वनि उत्पन्न करने वाले यंत्रों का उपयोग सार्वजनिक स्थलों पर किया जा रहा हो तो उसकी सीमा उस क्षेत्र के परिवेशीय ध्वनि पैमाने से 10 डी.बी. (ए) या 75 डी.बी. (ए) से अधिक नहीं होनी चाहिए। ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग दो छोटे बाक्स के साथ सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ही किया जावें। जिस स्थल (भूमि) पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है उस स्थल के उपयोग के संबंध में सक्षम प्राधिकारी अथवा विभाग (नगर निगम अथवा बी.एस.पी. प्रशासन) से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। किसी भी परिस्थिति में रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे के मध्य की अवधि के लिए ऐसी अनुमति नहीं दी जाएगी।

कुर्मीगुंडरा गौठान में मिलेंगी उस्मानाबादी बकरियां, बकरी पालकों को उपलब्ध कराई गई उच्च नस्ल की बकरियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। उच्च नस्ल के बकरीपालन की दिशा में हितग्राहियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम जिला प्रशासन दुर्ग ने उठाया है। गौठानों में ही उच्च नस्ल की बकरियां उपलब्ध कराने कुर्मीगुंडरा में उस्मानाबादी बकरियों का प्रजनन आरंभ किया जाएगा। यह प्रजनन केंद्र कामधेनु विश्वविद्यालय के उपकेंद्र के रूप में काम करेगा। आज इसके लिए 25 बकरियों और 2 बकरों की एक यूनिट की पहली खेप दी गई।

सोमवार को कामधेनु विश्वविद्यालय के उस्मानाबादी बकरी सीड सेंटर के समक्ष कुलपति डा. एनपी दक्षिणकर ने यह यूनिट उपसंचालक पशुधन विकास विभाग डा. राजीव देवरस को सौंपी। इस संबंध में जिला प्रशासन की पहल के संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप उच्च नस्ल के पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के निर्देश पर यह कार्य आरंभ किया गया है।

उस्मानाबादी बकरियां हमारे यहां के वातावरण के लिए अनुकूलित हैं बकरीपालन के क्षेत्र में किसानों के ज्यादा रुचि नहीं लेने का कारण यह था कि यहां उच्च नस्ल की बकरियां उपलब्ध नहीं। बाहर से मंगवाना होता है और लाने का ही व्यय काफी हो जाता है। अब गौठान से ही पशुपालक यह उच्च नस्ल की बकरियां ले जा सकेंगे। इससे बकरीपालन को लेकर बढ़िया वातावरण जिले में बनेगा। उल्ललेखनीय है कि दुर्ग जिले में इससे पूर्व हैचरी यूनिट स्थापित किये गये हैं जिसके माध्यम से मुर्गीपालकों को उच्च नस्ल की मुर्गियां प्रदान की जा रही हैं और ये प्रयोग बेहद सफल रहा है। इसके पश्चात रायपुर तथा जशपुर जिले में भी हैचरी यूनिट स्थापित की गईं और इससे मुर्गीपालन का बढ़िया माहौल बना है।

47 प्रतिशत तक है ट्विन रेट

इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति डा. दक्षिणकर ने बताया कि उस्मानाबादी प्रजाति की बकरियों की ट्विनिंग रेट अर्थात दो बच्चे देने की क्षमता लगभग 47 प्रतिशत तक होती है। डा. दक्षिणकर ने बताया कि इस क्षेत्र का क्लाइमेट भी इनके अनुकूल हैं। इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी अच्छी होती है। बेहतर तरीके से पालन हो तो इनकी ग्रोथ काफी तेज होती है। उल्लेखनीय है कि एनसीबीआई(नेशनल सेंटर फार बायोटेक्नालाजी इनफार्मेशन) की एक रिपोर्ट देखें तो सामान्यतः बकरियों में एक बच्चे जन्म देने की दर 61.96 प्रतिशत, दो बच्चे जन्म देने की दर 37.03 प्रतिशत और तीन बच्चे जन्म देने की दर 1.01 प्रतिशत होती है। इस लिहाज से उस्मानाबादी बकरियां गुणात्मक वृद्धि के दृष्टिकोण से काफी बकरीपालकों के लिए काफी उपयोगी साबित होती हैं। बकरीपालन से जुड़े विशेषज्ञों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में भी अलग-अलग जिलों में अलग-अलग तरह की प्रजाति उपयुक्त होती हैं। उदाहरण के लिए सरगुजा की बात करें तो यहां ब्लैक बंगाल काफी उपयुक्त है। इसी तरह दुर्ग जिले के वातावरण के लिए उस्मानाबादी काफी उपयुक्त है।

देश भर में हुए सर्वेक्षण में पाया गया कि बकरियों की संख्या में 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। बकरीपालन में लगे लोगों की आय में हुई वृद्धि से यह हो पाया है और अनेक लोग ऐसे हैं जो इसे वृहत उद्यम के रूप में भी अपना रहे हैं। कुर्मीगुंडरा में जहां गौठान समिति यह काम करेगी वहां पर इससे आय में वृद्धि की बड़ी संभावनाएं होंगी। इसके साथ ही इन बकरियों की वजह से स्थानीय बकरियों में भी नस्ल वृद्धि की अच्छी संभावनाएं पैदा होंगी।

बीएसपी के प्लेट मिल ने प्लेट निर्यात में दिखाया दमखम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की एकमात्र फ्लैट प्रोडक्ट मिल, प्लेट मिल ने अपने गुणात्मक उत्पादन से घरेलु बाजार के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अपनी धूम मचाई है। गगनयान, चन्द्रयान तथा आईएनएस-विक्रांत जैसे राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं में जहां भिलाई की प्लेटों ने अपनी छाप छोड़ी है वहीं अमेरिकन व यूरोपियन मानकों के दोहरे प्रमाणीकरण के साथ भिलाई की प्लेटों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी अपनी साख बनायी है।

यही वजह है कि बीएसपी की प्लेटों ने निर्यात बाजार में भी अपनी पकड़ बनायी है। दक्षिण पश्चिम एशिया में वैष्विक व्यापारियों की उपस्थिति के साथ-साथ विभिन्न निर्माण गतिविधियों के कारण प्लेट और टीएमटी बार के लिए एक विपुल बाजार उपलब्ध है। इस क्षेत्र में प्लेट मिल की कमी ने आस-पास के एशियाई देशों से सामग्री आयात करने की मांग में तेजी आयी है। जिनमें से चीन, दक्षिण कोरिया, यूक्रेन, रूस कड़े प्रतिस्पर्धी हैं। विश्व की वर्तमान स्थिति के परिणामस्वरूप चीन और दक्षिण कोरिया प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। लेकिन टाटा इंटरनेशनल की मदद से संयुक्त अरब अमीरात से वर्तमान बहुत सारे निर्यात ऑर्डर के साथ, सेल बीएसपी ने एक बार फिर से निर्यात बाजार में कदम रखा है। वैष्विक व्यापारियों की उपस्थिति के कारण उन्हें प्रचलित यूरोपीय और अमेरिकी गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने वाले उच्च शक्ति (उच्च तन्यता) प्लेटों की आवश्यकता होती है। बीएसपी, प्लेट मिल हमारे स्वदेशी और वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को देखते हुए शिप बिल्डिंग, बॉयलर क्वालिटी, हाई-टेन्साइल, स्ट्रक्चरल, अर्थ मूविंग इक्विपमेंट आदि से लेकर विभिन्न ग्रेड और एप्लिकेशन में विशेष गुणवत्ता वाले यूरोपीय और अमेरिकी मानकों के अनुसार दोहरे प्रमाणीकरण के साथ प्लेट का निर्माण और आपूर्ति कर रहा है। वर्ष 2022-23 में अब तक लगभग 18,000 टन विशेष गुणवत्ता वाले उच्च-तन्यता प्लेटों का निर्यात किया है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है सतह की गुणवत्ता, प्लेटों पर पहचान हेतु मार्किंग और डिलीवरी का समय है। निर्यात के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है जहाज की उपलब्धता और बंदरगाह पर सही समय पर डिलीवरी। यूएई को लगभग 14000 टन की आपूर्ति अगस्त 2022 में यूरोपीय और अमेरिकी मानकों के दोहरे-प्रमाणीकरण के साथ विभिन्न ग्रेडों के प्लेटों की आपूर्ति की है। नेषनल एक्सपोर्ट टैक्स नार्म्स के मापदंडों का अनुपालन करने के लिए इस निर्यात ग्रेड के लिए पहली बार सीमित मात्रा में बोरॉन और टाइटेनियम के साथ स्टील बनाया गया।

नियमितीकरण के लिए भिलाई निगम लगा रहा है शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत अवैध निर्माण एवं अनाधिकृत विकास के नियमितीकरण के लिए शिविर के आयोजन किए जा रहे हैं तथा शिविर के माध्यम से अनाधिकृत विकास एवं अवैध निर्माण के नियमितीकरण के लिए आवेदन जमा कराए जा रहे है। आज इसके लिए दक्षिण गंगोत्री में शिविर लगाया गया था तथा 21 फरवरी को फिर से दक्षिण गंगोत्री में शिविर लगेगा। अनधिकृत विकास के नियमितीकरण के लिए पूछताछ करने भी लोग पहुंच रहे है, आर्किटेक्ट ने इनका विवरण अपने पास रखा है। अनाधिकृत विकास के नियमितीकरण के लिए निगम आयुक्त रोहित व्यास ने सभी जोन आयुक्त को टारगेट प्रदान किया है तथा सर्वे और शिविर लगाने के साथ ही अनाधिकृत विकास करने वालों को नोटिस जारी कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। भवन अनुज्ञा के विपरीत निर्माण, मिली हुई स्वीकृति के विपरीत निर्माण, आवासीय प्रयोजन में व्यवसायिक निर्माण या बिना स्वीकृति के निर्माण का निगम क्षेत्र में सघन सर्वे किया जा रहा है। आर्किटेक्ट की सहायता से आवेदन जमा किया जाना है, आर्किटेक्ट की सूची www.bhilainagarnigam.com से प्राप्त की जा सकती है। अनाधिकृत निर्माण के नियमितीकरण की अधिक जानकारी के लिए नगर निगम के भवन अनुज्ञा शाखा के उप अभियंता शहबाज अहमद के मोबाइल नंबर 9399414300 पर संपर्क कर सकते हैं। नगर पालिक निगम भिलाई अपील करता है कि शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण कराएं। इसके अलावा निगम मुख्य कार्यालय व भिलाई के सभी जोन कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में कभी भी इसे लेकर आवेदन जमा किए जा सकते है और जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। नियमितीकरण के लिए अपनाएं यह प्रक्रिया भवन अधिकारी हिमांशु देशमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि नियमितीकरण के लिए नियमितीकरण का आवेदन फार्म आर्किटेक्ट के जरिए जमा करना होगा।

गर्मी शुरू होने से पहले जल आपूर्ति सुनिश्चित करने तैयार रहे निगम, 1.6 करोड़ के पम्पों की खरीदी जल्द करें: वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने मनोनीत पार्षदों के साथ समीक्षा बैठक में जनसुविधा पर चर्चा के दौरान ग्रीष्मऋतु में प्रतिवर्ष होने वाले जल संकट से निपटने नगर निगम को एलर्ट रहने एवं नवीन टंकियों को जल्द शुरू करवाने का मुद्दा उठाया। एल्डरमेनो ने कहा कि पूर्व में भाजपा शासन काल मे जनता को नदी व तालाबों में पानी खोजने निकलना पड़ता था वैसी नौबत से बचने तैयारी आवश्यक है।

वोरा ने तत्काल निगम आयुक्त से चर्चा कर शटडाउन, इंटरकनेक्शन, वाल्व चेंज, जलकुंभी जमाव जैसे कई कारणों से उत्पन्न होने वाले जल संकट से बचाव के लिए विगत वर्ष टैंकर आपूर्ति हेतु दो नग अतिरिक्त ट्रैक्टर एवं 100 एचपी के 4 मोटर पम्पों की खरीदी के लिए 1.6 करोड़ की राशि स्वीकृत कराई गई थी। 5 माह में 3 बार निविदा किए जाने के बाद भी अब तक खरीदी नहीं कि गई है। उन्होंने तत्काल प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए साथ ही पाइप लाइन व्यवस्था को सुदृढ बनाते हुए टैंकर मुक्त शहर की दिशा में आगे बढने् का प्रयास किया जाए। निगम क्षेत्र के तालाबो व नदी में पानी की डिमांड के लिए सिंचाई विभाग व निगम के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक कर आने वाले ग्रीष्मऋतु से शहर के वाटर लेबल बढ़ाने व बोर एवं टैकर रिपेरिंग व बंद पड़े वाटर एटीएम को प्रारंभ करने एवं जल संकट कट्रोल रुम नबर जारी कर प्रभावित क्षेत्रों के शिकायत पर निदान आवश्यक है। बैठक के दौरान सभी मनोनीत पार्षदों ने वोरा को एआईसीसी के निर्वाचित सदस्य चुने जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान शहर अध्यक्ष गया पटेल, रत्ना नारमदेव, अजय गुप्ता, देव सिन्हा, राजेश शर्मा, हरीश साहू, मनीष यादव, कृष्णा देवांगन, अंशुल पाण्डेय, जगमोहन ढीमर उपस्थित थे।

सीमा सुरक्षा बल द्वारा आयोजित आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम का आठवां जत्था मुम्बई के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 14 वां आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम के तहत सोमवार को कांकेर के अति दुर्गम व पिछड़े नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से युवक एवं युवतियों के आठवें जत्थे को मुम्बई के लिए रवाना किया गया। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर जब इन बच्चों को रवाना किया गया तो इनके चेहरों पर खुशी साफदेखी जा सकती थी।

इस जत्थे में 20 युवक-युवतियों सहित सीमा सुरक्षा बल के पुरुष व महिला सुरक्षा अधिकारी शामिल है। यह जत्था मुम्बई में विभिन्न राज्यों के अन्य आदिवासी युवाओं से मिलकर अन्य राज्यों की संस्कृति से रूबरू होगा।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासी युवक एवं युवतियों को उनके उज्वल भविष्य तथा अधिकार के बारे में उचित व उपयुक्त जानकारी प्रदान की जायेगी, साथ ही साथ अन्य राज्यों से भाग लेने वाले युवक-युवतियों के बीच मेल-मिलाप भी बढ़ेगा, जिससे वे एक-दूसरे की खान-पान, रहन-सहन, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं वेशभूषा से रूबरू होंगे। इस कार्यक्रम में सभी राज्यों के स्थानीय लोक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी साथ ही मुम्बई (महाराष्ट्र) के प्रसिद्ध, दर्शनीय एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन नई दिल्ली (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) एवं गृह मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान मे 14 वां आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, इस कार्यक्रम में कांकेर जिले में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के इलाके से इस वर्ष कुल 14 भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इस कार्यक्रम के आठवें जत्थे को मुम्बई रवाना करते हुए अरविंदर सिंह, उपमहानिरीक्षक, कार्यवाहक महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल सीमांत मुख्यालय (विशेष संक्रिया) छत्तीसगढ एवं दिनेश मुर्मू उपमहानिरीक्षक (इंटेलीजेंस) ने शुभकामनाएं दी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950